कृषक महिला समाचार

ICAR - CIWA NEWSLETTER

April-September 2020 Vol. 14 (1) अप्रल-सितम्बर 2020 खड 14 (1)

From Director's Desk...

Inspite of the pandemic situation of COVID-19 outbreak, ICAR-CIWA had an eventful period with project activities having significant outcomes, webinars, review meetings, outreach activities, workshops and brainstorming sessions through virtual mode. The Virtual International Brainstorming Workshop to develop a Framework for Propelling ICAR-CIWA as Global Institute was organized during this period. This global initiative was designed to put gender equity and equality at the forefront of global agricultural research for development. The proposed Global Institute would transform the way gender research is done, both within and beyond the country, to propel a process of realistic change towards greater gender equality and better livelihood for women in agriculture globally. Market linkage was strengthened for a rural women SHG by linking them with Falcon Chilka Fresh fish retail outlets, in Bhubaneswar. Under the ICAR-CIWA-IRRI collaborative project, the component "Empowering Women Farmers' Producer Company for Collective Marketing of Aromatic and Organic Rice through Establishment of Rice Processing Unit" was implemented in Kotpad block of Koraput District of Odisha through the project partner PRAGATI. The gender knowledge system (GKS) in agriculture portal was updated by including recent publications, information and statistics on women in agriculture. A separate online technology database was also created for better classification and visualization of technologies for women in agriculture. A total of 600 publications of the Institute and AICRP(HS) were uploaded on the portal. Further, the dynamic database on state wise gender work participation in agriculture was enriched with district wise data. The Institute celebrated/ observed important National Days/ Weeks such as International Day of Yoga 2020, Celebration of 150th Birth Anniversary of Mahatma Gandhi Ji and Hindi Pakhwada. The training / extension activities/ outreach activities/ technology transfer included the webinar on "Effective Policy Paper Writing for Women in Agriculture", webinar series on 'Immuno-nutrition, Wellness management and Livelihood change', and the National Webinar on ''Women FPOs: An Effective Approach for Boosting Entrepreneurship, Empowerment and Self –reliance (Atmanirbhar)''.

(S.K. SRIVASTAVA)
DIRECTOR

निदशक की कलम स...

कोविड-19 वैश्विक महामारी से उत्पन्न स्थिति के बावजूद भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान (सीआईडब्ल्यूए) में यह अवधि परियोजनाओं की गतिविधियों की रही है जिनके उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त हुए हैं। इसके अतिरिक्त वर्चुअल मोड में वेबिनार, समीक्षा बैठकें, संस्थान के बाहर गतिविधियां व कार्यशालाएं और विचार-मंथन सत्र आयोजित किए गए हैं। भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए को वैश्विक संस्थान बनाने के उद्देश्य से फ्रेमवर्क विकसित करने हेतु एक वर्चुअल अंतरराष्ट्रीय विचार-मंथन कार्यशाला भी इस अवधि के दौरान आयोजित की गई। वैश्विक पहल को विकास हेतु वैश्विक कृषि अनुसंधान की अग्रभूमि पर लिंग समानता को स्थापित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह प्रस्तावित वैश्विक संस्थान लिंग अनुसंधान पर की जाने वाली क्रियाविधि को रूपांतरित करेगा और ऐसा देश में तथा देश की सीमा से परे किए जाने का प्रयास होगा। यह विकास वैश्विक स्तर पर कृषि में महिलाओं के लिए और अधिक लैंगिक समानता लाने तथा बेहतर आजीविका प्रदान करने की दिशा में यथार्थ परिवर्तन लाने की प्रक्रिया है। ग्रामीण महिला स्वयंसेवी समूह को भुवनेश्वर में फैल्कन चिल्का फ्रेश रिटेल आउटलेट से जोड़कर महिला स्वयं सहायता समूह के बाजार सम्पर्क को और सबलता प्रदान की गई। भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए-आईआरआरआई की सहयोगी परियोजना के अंतर्गत परियोजना साझेदार 'प्रगति' के माध्यम से ओडिशा के कोरापुट जिले के कोटपाड ब्लॉक में 'चावल प्रसंस्करण इकाई की स्थापना के माध्यम से सुगंधित और ऑर्गेनिक चावल के सामूहिक विपणन के लिए महिला कृषक उत्पादक कंपनी के सशक्तिकरण' घटक की परियोजना कार्यान्वित की गई। कृषि पोर्टल में लिंग ज्ञान प्रणाली (GKS) को कृषि में महिलाओं पर नवीनतम प्रकाशनों, सूचना और सांख्यिकी को शामिल करके अद्यतन किया गया। कृषि में महिलाओं के लिए प्रौद्योगिकियों के बेहतर वर्गीकरण और उनके प्रति बेहतर दृष्टि के लिए एक अलग ऑन-लाइन प्रौद्योगिकी डेटाबेस सृजित किया गया। इस पोर्टल पर संस्थान तथा अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (गृह विज्ञान) के कुल 600 प्रकाशन अपलोड किए गए। इसके अतिरिक्त कृषि में राज्यवार लिंग कार्य के संदर्भ में कृषि में भागीदारी पर एक जिलावार आंकड़ों का गतिशील डेटाबेस सृजित किया गया। संस्थान में महत्वपूर्ण राष्ट्रीय दिवस/सप्ताह जैसे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2020, महात्मा गांधी जी की 150वीं जयंती से संबंधित समारोह और हिन्दी पखवाड़ा आयोजित किए गए। प्रशिक्षण/विस्तार गतिविधियों/आउटरीच गतिविधियों/प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में 'कृषि में महिलाओं के लिए प्रभावी नीति-पत्र लेखन' पर वेबिनार, 'रोगरोधी-पोषण, स्वास्थ्य प्रबंधन और आजीविका परिवर्तन' पर वेबिनार की श्रृंखला' और 'महिला एफपीओ : उद्यमशीलता, सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को तेजी से बढ़ाने के लिए एक प्रभावी उपाय' विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।

(एस.के. श्रीवास्तव)
निदेशक

RESEARCH HIGHLIGHTS

DSIR funded project on "Adding Value to Fish: a Potential Livelihood Option for Rural Women of Odisha"

Tanuja, S., J. Charles Jeeva

Market Linkage Strengthened for Fisherwomen SHGs through Falcon Chilka Fresh

Market linkage was strengthened for rural women SHGs by linking them with Falcon Chilka Fresh Retail outlets, in Bhubaneswar on 20 August, 2020. Dr. S. K. Srivasatava, Director, ICAR-CIWA launched the first marketing of value added fish products prepared by the SHGs at the Falcon Fresh Fish outlet at naka gate and near Kesari Cinema Hall at Bhubaneswar. Falcon Chilka Fresh is the retail division of Falcon Marine Exports which works in a PPP mode with the Govt of Odisha.

अनसधान उपलब्धिया

'मछली का मूल्यवर्धन: ओडिशा की ग्रामीण महिलाओं के लिए एक सक्षम आजीविका विकल्प' पर DSIR की निधि सहायता प्राप्त परियोजना

तनुजा एस., जे. चार्ल्स जीवा

फैल्कन फ्रेश के माध्यम से मछुआरिन स्वयं सहायता समूह के लिए बाजार सम्पर्क का सशक्तिकरण

भुवनेश्वर में 20 अगस्त 2020 को ग्रामीण महिला स्वयं सहायता समूहों को फैल्कन चिलका फ्रेश रिटेल आउटलेट से जोड़कर बाजार सम्पर्क को सबल बनाया गया। डॉ. एस.के. श्रीवास्तव, निदेशक, भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए ने भुवनेश्वर में नाका द्वार तथा केसरी सिनेमा हाल के निकट फैल्कन फ्रेश फिश आउटलेट पर स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किए गए मछलियों के मूल्यवर्धित उत्पादों की पहली बिक्री का शुभारंभ किया। फैल्कन चिलका फ्रेश फैल्कन मैरीन एक्सपोर्ट का फुटकर प्रभाग है जो ओडिशा सरकार के साथ सार्वजनिक-निजी साझेदारी (पीपीपी) मोड में कार्य करता है।

Marketing of value added fish products through Falcon Fresh Fish outlets at Bhubaneswar

In the modern times, with the shift in consumers' demand to ready to eat and hygienic products, value added products preparation from fish holds a key potential. In this background, the project funded by Department of Scientific and Industrial Research (DSIR) viz., ''Adding Value to Fish: a Potential Livelihood option for Rural Women of Odisha'' was implemented at ICAR-Central Institute for Women in Agriculture, Bhubaneswar during the period 2018-21 with the objectives to build the capacity of fisherwomen of Puri district of Odisha in the preparation of value added products and by products from fish and fish wastes; to enhance entrepreneurial skills of the fisherwomen in managing their business, and to assess the consumer preference of value added fish products and byproducts and development of innovative products based on consumer preference.

A group of 12 rural women was selected from the Biswa Bharti Maa SHG group, Kanamana Village, Astaranga, for starting the enterprise, based on their interest and past experience in fish processing activities. The women were imparted focussed training

आधुनिक समय में जब उपभोक्ताओं की मांग खाने के लिए तैयार व साफ-सुथरे उत्पादों के प्रति बढ़ रही है, मछली से मूल्यवर्धित उत्पाद तैयार करने की दिशा में अपार संभावना है। इस पृष्ठभूमि में विज्ञान एवं औद्योगिक अनुसंधान (डीएसआईआर) की निजी सहायता प्राप्त परियोजना नामत: 'मछली का मूल्यवर्धन: ओडिशा की ग्रामीण महिलाओं के लिए सक्षम आजीविका विकल्प' भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर में वर्ष 2018-21 की अवधि के दौरान लागू की। इसका उद्देश्य मछली तथा मछली अपशिष्ट से मूल्यवर्धित उत्पाद और उपोत्पाद तैयार करना; अपने व्यापार प्रबंधन में मछुआरिनों के उद्यमशील कौशल को बढ़ाना, तथा उपभोक्ता की पसंद के आधार पर नए-नए उत्पादों के विकास तथा मछली के मूल्यवर्धित उत्पादों व उपोत्पादों के प्रति उपभोक्ताओं की पसंद का मूल्यांकन करना था।

मछली प्रसंस्करण संबंधी गतिविधियों में रुचि तथा पूर्व अनुभव के आधार पर उद्यम शुरू करने के लिए बिश्व भारती मा एसएचजी समूह, कानामाना गांव, अस्तरंग से 12 ग्रामीण महिलाओं के एक समूह का चयन किया गया। महिलाओं को भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए में मछली के मूल्यवर्धित उत्पाद तैयार करने पर एक विशिष्ट प्रशिक्षण दिया गया। लाभार्थियों को अपने

on the preparation of these value added fish products at ICAR-CIWA. Beneficiaries were also trained on the importance of attractive packaging and labelling of their produce, entrepreneurship development, management, branding & marketing, group dynamics and book keeping. Facilitation for obtaining FSSAI licence which is mandatory for any food products production was done. They were provided the necessary inputs like utensils, packaging materials, packaging machine, display racks, plastic drums meat mincer etc to start the enterprise. Market linkage for marketing their produce was facilitated to promote the value addition and hygienic handling of fish. They have ventured into online marketing taking into consideration the pandemic situation. They obtained the trade license of the products under the trade name "Fishlikes". The women were excited to start the sale of value added products through Falcon Chilka Fresh stores located in different parts of Bhubaneswar city.

The project, through the skill and knowledge upgradation of rural women motivated them enough to initiate small scale enterprises to further enhance their quality of living through increased income. The Project team from ICAR-CIWA, Dr. Tanuja, S, PI of the DSIR funded project and Dr. J. Charles Jeeva, Pr. Scientist from ICAR-CIWA trained the groups to start value added fish products based enterprise and facilitated their market linkage.

Increasing Productivity of Rice-based Cropping Systems and Farmers Income in Odisha (IRRI-CIWA Collaborative Project)

A. K. Panda, J. Charles Jeeva, Sabita Mishra, Jyoti Nayak, Ananta Sarkar

Empowering Women Farmers' Producer Company for Collective Marketing of Aromatic and Organic Rice through Establishment of Rice Processing Unit

Under the ICAR-CIWA-IRRI collaborative project, the component "Empowering women farmers' producer company for collective marketing of aromatic and organic rice through establishment of rice processing unit" was implemented in Kotpad block of Koraput District of Odisha through the project partner PRAGATI. The target groups included the women farmers who play a key role in rice production system. The direct beneficiaries of the project were 52 women farmers producer groups with 1575 women farmers who are the producers of aromatic and organic rice. The producer group leaders were trained on group management, leadership, improved package of practices, post harvest management and collective marketing. The producer group members had participated in different district and state level events and shared the best practices. Pragati, the project

उत्पादों की आकर्षक पैकेजिंग और लेबलिंग के महत्व, उद्यमशीलता के विकास, प्रबंधन, ब्रांडीकरण और विपणन, समूह गतिकी और बहीखाता रखने के महत्व के बारे में भी प्रशिक्षित किया गया। उत्पाद के उत्पादन के लिए एफएसएसएआई का लाइसेंस प्राप्त करने की सुविधा भी प्रदान की गई। उल्लेखनीय है कि खाद्य उत्पाद उत्पादन के लिए यह लाइसेंस प्राप्त करना अनिवार्य है। उन्हें अपना उद्यम तैयार करने के लिए पात्र, पैकेजिंग सामग्री, पैकेजिंग यंत्र, डिस्प्ले रैक, प्लास्टिक के ड्रम और मास का कीमा बनाने की युक्ति जैसे आवश्यक निवेश भी उपलब्ध कराए गए। मछलियों के मूल्यवर्धन तथा उनकी साफ-सफाई से साज-संभाल को बढ़ावा देने के लिए उनकी उपल के विपणन के लिए बाजार सम्पर्क भी उन्हें उपलब्ध कराया गया। वैश्विक महामारी की स्थिति को ध्यान में रखते हुए उन्हें ऑन-लाइन विपणन को अपनाने के लिए भी प्रेरित किया गया। उन्होंने 'फिशलाइक्स' के ट्रेड नेम से अपने उत्पादों के लिए व्यापार लाइसेंस प्राप्त किया। ये महिलाएं भुवनेश्वर शहर के विभिन्न भागों में स्थित फैल्कन चिलका फ्रेश स्टोर के माध्यम से अपने मूल्यवर्धित उत्पादों की बिक्री आरंभ करने के लिए बहुत उत्साहित थी।

ग्रामीण महिलाओं के कौशल तथा ज्ञान के अद्यतनीकरण के माध्यम से इस परियोजना के द्वारा उन्हें उनकी बढ़ी हुई आय से अपनी आजीविका की गुणवत्ता को और सुधारने के लिए छोटे पैमाने पर उद्यम आरंभ करने की और अधिक प्रेरणा प्राप्त हुई। भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए के परियोजना दल, डॉ. तनुजा एस., प्रधान अन्वेषक और भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. जे. चार्ल्स जीवा ने इन समूहों को प्रशिक्षित किया, ताकि वे उद्यम आधारित मूल्यवर्धित मत्स्य उत्पाद तैयार करना आरंभ करें। इसके साथ ही उन्हें बाजार सम्पर्क की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई।

ओडिशा में चावल-आधारित फसल प्रणालियों की उत्पादकता व किसानों की आय बढ़ाना (आईआरआरआई-सीआईडब्ल्यूए की संयुक्त परियोजना)

ए.के. पाण्डा, जे. चार्ल्स जीवा, सबिता मिश्रा, ज्योति नायक, अनन्त सरकार

चावल प्रसंस्करण इकाई स्थापित करके सुगंधित व ऑर्गेनिक चावल के सामूहिक विपणन के लिए महिला कृषक उत्पादक कंपनी का सशक्तिकरण

भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए-आईआरआरआई की सहयोगी परियोजना के अंतर्गत परियोजना साझेदार 'प्रगति' के माध्यम से ओडिशा के कोरापुट जिले के कोटपाड ब्लॉक में 'चावल प्रसंस्करण इकाई स्थापित करके सुगंधित और ऑर्गेनिक चावल के सामूहिक विपणन हेतु महिला किसान उत्पादक कंपनी का सशक्तिकरण' घटक की सहयोगात्मक परियोजना आरंभ की गई। इसके लक्ष्य समूह में उन महिला किसानों को शामिल किया गया जो चावल उत्पादन प्रणाली में मुख्य भूमिका निभाती हैं। परियोजना के सीधी लाभार्थी 52 महिला कृषक उत्पादक समूह थे जिनमें 1575 वे महिला किसान शामिल थीं जो सुगंधित और ऑर्गेनिक चावल की उत्पादक थीं। उत्पादक समूह के नेताओं ने उन्हें समूह प्रबंधन, नेतृत्व, पैकेज की उन्नत विधियों, सस्योत्तर प्रबंधन और सामूहिक विपणन पर प्रशिक्षण प्रदान किया। उत्पादक समूह के सदस्यों ने जिला व राज्य स्तर के विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया तथा अपनी सर्वश्रेष्ठ विधियां अन्य प्रतिभागियों

partner has facilitated women Farmers' Producer Company, namely ''Chitridora Farmers' Producer Company, Ltd.'', Kotpad which is registered under the Government of India, Companies Act. Around 1572 women farmers had cultivated aromatic and organic rice in 653 ha of land with an average yield of 31.3 quintals per ha. The Farmer Producer Company has supported the Producer Groups for marketing of 4200 quintals of unprocessed aromatic rice @ Rs 2,500/- per quintal. A rice processing unit is established at B. Ghatarla village in Kotpad block with a capacity for processing 500 kg per hour. Five members of Producer Company were trained on operation of the rice processing unit.

से साझा कीं। परियोजना साझेदार प्रगति ने 'चित्रीडोरा कृषक उत्पादक कंपनी, लिमिटेड' कोटपाड नामक महिला कृषक उत्पादक कंपनी गठित करने में सुविधा प्रदान की। लगभग 1572 महिला किसानों ने 653 हैक्टर भूमि पर सुगंधित और ऑर्गेनिक चावल की खेती की और औसतन 31.3 क्विंटल प्रति हैक्टर उपज प्राप्त की। कृषि उत्पादक कंपनी ने 2500 रुपये प्रति क्विंटल की दर से 4200 क्विंटल अप्रसंस्कृत सुगंधित चावल की बिक्री की। प्रति घंटे 500 कि.ग्रा. प्रसंस्करण क्षमता की एक चावल प्रसंस्करण इकाई कोटपाड ब्लॉक के बी. घटारला गांव में स्थापित है। उत्पादक कंपनी के 5 सदस्यों को चावल प्रसंस्करण इकाई चलाने का प्रशिक्षण दिया गया।

Strengthening Gender Knowledge System in Agriculture

Ananta Sarkar, J. Charles Jeeva, Jyoti Nayak, Sabita Mishra, Shaji, A.

The gender knowledge system (GKS) in agriculture portal (http://www.icar-ciwa.org.in/gks) was updated by including recent publications, information and statistics on women in agriculture. Attempt was made to synchronize the GKS database on publications and technologies for women in agriculture with the Krishi portal of ICAR. A separate online technology database was also created for better classification and visualization of technologies for women in agriculture. Online data entry and database platform was created for uploading publication of AICRP (Home Science) on Krishi portal where all scientists of AICRP(HS) can register and upload publications. A total of 600 publications of the Institute and AICRP(HS) were uploaded on the portal. Further, the dynamic database on state wise gender work participation in agriculture was enriched with district wise data. All the data tables can be downloaded in excel format for further use by stakeholders. Thirty two questions on FAQs related to concepts on women in agriculture have been

कृषि में लिंग ज्ञान प्रणाली का सशक्तिकरण

अनन्त सरकार, जे. चार्ल्स जीवा, ज्योति नायक, सबिता मिश्रा, शाजी ए.

कृषि पोर्टल (http://www.icar-ciwa.org.in/gks) में लिंग ज्ञान प्रणाली (जीकेएस) को कृषि में महिलाओं पर नवीनतम प्रकाशनों, सूचना और सांख्यिकी को शामिल करके अद्यतन बनाया गया। कृषि में महिलाओं के लिए प्रकाशनों तथा प्रौद्योगिकियों पर जीकेएस डेटाबेस को भा.कृ.अ.प. के कृषि पोर्टल का अनुसरण करते हुए उसके अनुसार बनाने के प्रयास किए गए। कृषि में महिलाओं के लिए प्रौद्योगिकियों के बेहतर वर्गीकरण और स्पष्टता के लिए अलग से एक ऑन-लाइन प्रौद्योगिकी डेटाबेस सृजित किया गया। कृषि पोर्टल पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (गृह विज्ञान) के प्रकाशन अपलोड करने के लिए एक ऑन लाइन डेटा एंट्री और डेटाबेस प्लेटफार्म सृजित किया गया जहां अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (गृह विज्ञान) के सभी वैज्ञानिक रजिस्टर करके अपने प्रकाशन अपलोड कर सकते हैं। इस पोर्टल पर संस्थान तथा अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (गृह विज्ञान) के कुल 600 प्रकाशन अपलोड किए गए। इसके अतिरिक्त जिलावार आंकड़े शामिल करके राज्यवार कृषि में लिंग कार्य भागेदारी पर एक गतिशील डेटाबेस भी समृद्ध बनाया गया। हितधारकों के उपयोग केलिए सभी डेटा टेबल एक्सेल फार्म में डाउनलोड की जा सकती हैं। कृषि में महिलाओं पर संकल्पनाओं से संबंधित बहुधा पूछने वाले प्रश्नों पर 32 प्रश्नों को इस डेटाबेस में जोड़ा

added to the database for the benefit of researchers and students. For better management of AICRP(HS) Scientists data, the present employee profile entry form was modified and a new profile entry form was created.

गया है जिससे अनुसंधानकर्ता व छात्र लाभ उठा सकते हैं। अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (गृह विज्ञान) के बेहतर प्रबंधन के लिए वैज्ञानिकों के आंकड़े, वर्तमान कर्मचारी प्रविष्टि फार्म को सुधारा गया तथा एक नई प्रोफाइल एंट्री सृजित की गई।

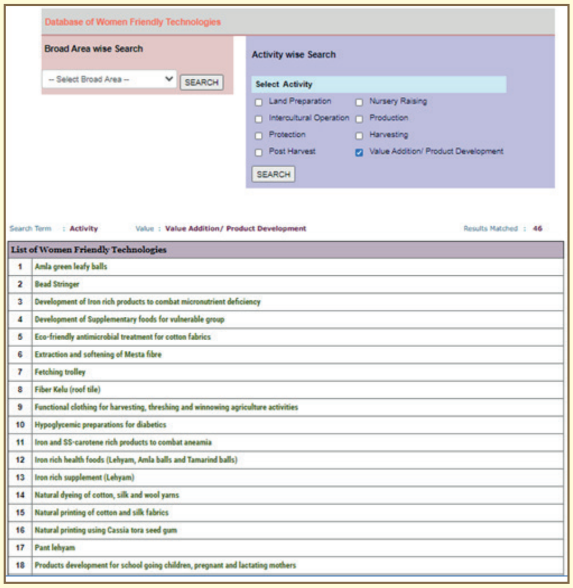

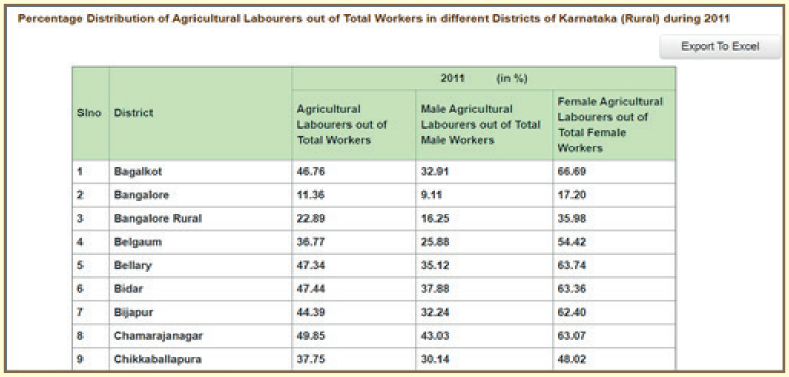

Percentage Distribution of Agricultural Labourers out of Total Workers in different Districts of Karnataka (Rural) during 2011

Export To Excel

Slno	District	2011 (in %)		
		Agricultural Labourers out of Total Workers	Male Agricultural Labourers out of Total Male Workers	Female Agricultural Labourers out of Total Female Workers
1	Bagalkot	46.76	32.91	66.69
2	Bangalore	11.36	9.11	17.20
3	Bangalore Rural	22.89	16.25	35.98
4	Belgaum	36.77	25.88	54.42
5	Bellary	47.34	35.12	63.74
6	Bidar	47.44	37.88	63.36
7	Bijapur	44.39	32.24	62.40
8	Chamarajanagar	49.85	43.03	63.07
9	Chikkaballapura	37.75	30.14	48.02

REVIEW MEETINGS

Online Workshop of AICRP on Women in Agriculture

The Institute organized the Online Workshop of ICAR-AICRP on Women in Agriculture on 24 April, 2020. Dr. Lipi Das, Nodal Officer, AICRP on Women in Agriculture highlighted the importance of this online meeting for getting constructive ideas to restructure the activities of AICRP on Women in Agriculture. At the outset Dr. S. K. Srivastava, Director, ICAR-CIWA applauded the efforts of the scientists of AICRP for contributing in the Nation's fight against COVD-19 by mass production of hand sanitizers, masks, PPEs and distributing them among the staff of universities, farm women and rural families through various Women SHGs. He also enlisted the achievements viz., patents filed and granted, research articles published, technologies commercialized etc. of 13 AICRP centres

अनसधान उपलब्धिया

गृहविज्ञान पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की ऑन-लाइन कार्यशाला

संस्थान में 24 अप्रैल 2020 को भा.कृ.अ.प.- गृहविज्ञान पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की ऑन-लाइन प्रयोगशाला आयोजित की गई। डॉ.लिपिदास, नोडल अधिकारी, गृहविज्ञान पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना ने गृहविज्ञान पर एआईसीआरपी की गतिविधियों को पुर्नगठित करने के लिए सकारात्मक विचार प्रस्तुत करने के लिए इस ऑन-लाइन बैठक के महत्व पर प्रकाश डाला। आरंभ में डॉ.एस.के. श्रीवास्तव, निदेशक, भा.कृ.अ.प्.-सीआईडब्लयूए ने एआईसीआरपी के वैज्ञानिकों की बड़े पैमाने पर हैंड सेनेटाइजर तैयार करने, मास्क व पीपीई तैयार करने और विभिन्न महिला स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से उनका विश्वविद्यालयों के स्टाफ, खेतिहर महिलाओं और ग्रामीण परिवारों के बीच वितरण करके कोविड-19 के विरुद्ध राष्ट्रीय संघर्ष में योगदान करने के लिए एआईसीआरपी के वैज्ञानिकों की प्रशंसा की। उन्होंने उपलब्धियों को भी गिनाया जैसे फाइल किए गए और स्वीकृत किए

and formulation of five new programmes. Dr. P. S. Pandey, Assistant Director General (EP&HS), ICAR pointed out the need for central repository of the data generated from all the Centres. He suggested that this repository may further be used for formulating projects and policy recommendations. He urged for reshaping the activities for AICRP on Women in Agriculture in a collaborative manner. The Deputy Director General (Agril. Education) Dr. R. C. Agrawal interacted with the AICRP scientists and expressed the need to work in collaboration with International Organization like IFPRI, other ICAR Institutes for effective coordinated approach to reach out to the farmwomen in an integrated way for all round sustainable development. Dr. Trilochan Mohapatra, Secretary, DARE & DG, ICAR in his address through Video Conferencing expressed his appreciation to all scientists for working efficiently through this lockdown due to COVID-19. He emphasized on the importance of proper documentation, capitalize on the strength of the schemes and popularization through social media like DD Kisan. He also put a stress for developing a framework to make ICAR-CIWA a Global Institute. Various research achievements viz., various Apps on managements of diabetes, parenting, menopause and health management, management of water shortages and anemia in young girl; commercialized technologies i.e., high fiber mix, sanitary napkins from organically extracted fibers, low glycemic index rice products, etc. were highlighted. Honourable DG stressed the need for popularisation and commercialisation of these technologies and reflection of the same in GeM. Around 65 participants involving the Unit and Technical Coordinators, Scientists from 13 AICRP Centres and also from AICRP unit, ICAR-CIWA, Bhubaneswar participated in the deliberations and interaction of this online workshop.

MAJOR EVENTS

Virtual International Brainstorming Workshop to develop a Framework for Propelling ICAR-CIWA as Global Institute

The Virtual International Brainstorming Workshop to develop a Framework for Propelling ICAR-CIWA as Global Institute was organized at ICAR-CIWA,

गए पेटेंट, अनुसंधान लेखों का प्रकाशन, प्रौद्योगिकियों का वाणिज्यिकरण आदि। इसके साथ ही उन्होंने 13 एआईसीआरपी केन्द्रों व 5 नए कार्यक्रम तैयार करने की दिशा में किए गए प्रयासों की भी सराहना की। डॉ. पी.एस. पाण्डे, सहायक महानिदेशक (ईपी और एचएस), भा.कृ.अ.प. ने सभी केन्द्रों से सृजित आंकड़ों की केन्द्रीय रिपोजिटरी की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने यह सुझाव दिया कि इस रिपोजिटरी का उपयोग परियोजनाएं तैयार करने और नीति संबंधी सिफारिशें प्रस्तुत करने में किया जा सकता है। उन्होंने सहयोगात्मक विधि से कृषिरत महिलाओं पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की गतिविधियों को पुन: आकार देने का अनुरोध किया। उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा), डॉ. आर.सी. अग्रवाल ने अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के वैज्ञानिकों के साथ चर्चा की तथा सकल व टिकाऊ विकास के लिए समेकित ढंग से खेतिहर महिलाओं तक पहुंचने के लिए प्रभावी समन्वित दृष्टिकोण हेतु अंतरराष्ट्रीय संगठन जैसे आईएफपीआरआई व भा.कृ.अ.प. के अन्य संस्थानों के साथ सहयोग में कार्य करने की आवश्यकता व्यक्त की। सचिव, डेयर और भा.कृ.अ.प. के महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्र ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कोविड-19 के कारण इस लॉकडाउन में भी दक्षतापूर्वक कार्य करने के लिए सभी वैज्ञानिकों की सराहना की। उन्होंने डीडी किसान जैसे सोशल मीडिया के माध्यम से योजनाओं को सबल व लोकप्रिय बनाने के लिए उचित प्रलेखन के महत्व पर भी बल दिया। उन्होंने भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए को एक वैश्विक संस्थान बनाने के लिए फ्रेमवर्क के विकास पर भी जोर दिया। विभिन्न अनुसंधान उपलब्धियों जैसे मधुमेह, जनकशीलता, रजोनिवृत्ति, स्वास्थ्य प्रबंधन, जल की कमी के प्रबंधन, युवतियों में रक्ताल्पता; वाणिज्यीकृत प्रौद्योगिकियों जैसे उच्च रेशे युक्त मिश्रित आहार, जैविक विधि से तैयार किए गए रेशों से सेनेटरी नैपकिन, निम्न ग्लाइसेमिक सूचकांक युक्त चावल के उत्पाद पर विभिन्न ऐप जैसी भिन्न–भिन्न अनुसंधान उपलब्धियों पर भी इस कार्यशाला में प्रकाश डाला गया। महानिदेशक महोदय ने इन प्रौद्योगिकियों को लोकप्रिय बनाने और उनका वाणज्यिकरण करने तथा जीईएम इन्हें परिलक्षित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। कुल 13 अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान केन्द्रों से आए तकनीकी समन्वयकों, वैज्ञानिकों व इकाई के प्रतिनिधियों सहित लगभग 65 प्रतिभागियों के अलावा एआईसीआरपी इकाई, भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए के प्रतिनिधियों ने भी कार्यशाला में भाग लिया तथा इस ऑनलाइन कार्यशालाम में पारस्परिक चर्चा की।

प्रमख कायक्रम

भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए को वैश्विक संस्थान के रूप में विकसित करने के लिए फ्रेमवर्क के विकास हेतु वर्चुअल अंतरराष्ट्रीय विचारमंथन कार्यशाला

भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यू को वैश्विक संस्थान के रूप में आगे बढ़ाने के लिए फ्रेमवर्क के विकास पर एक वर्चुअल अंतरराष्ट्रीय विचारमंथन कार्यशाला आयोजित की गई। इस वैश्विक पहल को विकास के लिए वैश्विक कृषि

Bhubaneswar on 31 July, 2020. The global initiative is designed to put gender equity and equality at the forefront of global agricultural research for development. The proposed Global Institute will transform the way gender research is done, both within and beyond the country, to propel a process of realistic change towards greater gender equality and better livelihood for women in agriculture globally. The new initiative aims at transforming lives through global agricultural sector, with research platforms on strategic, sustainable, agro-food policy and integrative approaches.

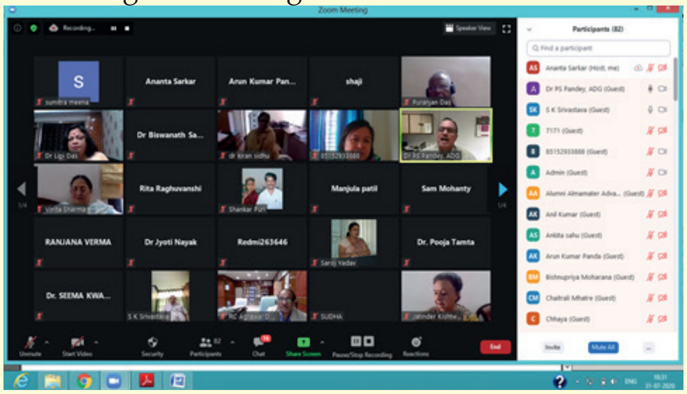

In this context, this Virtual Brainstorming Workshop to develop a framework for propelling ICAR-CIWA as Global Institute was organized on 31 July, 2020. At the outset, Dr. Lipi Das, Convener of the workshop gave a brief background of organizing this workshop, which was the outcome of the recommendation of Hon'ble Director General, ICAR on 24 April 2020, during the review of AICRP on Home Science.

Dr. S.K. Srivastava, Director, ICAR-CIWA welcomed the DDG, ADG, and the Experts/ Panellists for the workshop. He thanked Dr. P. Das and panellists for accepting the invitation to be a part of this significant programme. He gave a brief history and genesis of ICAR-CIWA and its recent recognitions such as the 'Best Women Empowerment Institute in Asia Award-2019' for excellence in agriculture and allied activities by Global Education & Economic Development Forum (GEEDF), New Delhi. During his introductory remarks, Dr. P. S. Pandey said it was the dream of Hon'ble DG to upgrade some ICAR Institutes as global institutes/ universities and ICAR-CIWA is one among them. The Institute progresses from discipline based research to project based, then commodity based, and now in programme mode. He highlighted the significance of CIWA's contribution and its services for the women in agriculture, as the Hon'ble Prime Minster in his recent review of ICAR, mentioned about drudgery of women and nutrition as important areas, which shows the significance of CIWA and AICRP on Home Science. He stressed that, as per the relevance in the present context, it's time to plan the activities for next 50 years, to cater to the needs of women in agriculture in the global context.

अनुसंधान की अग्रभूमि में लिंग समानता को प्रस्तुत करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह प्रस्तावित वैश्विक संस्थान देश में और देश से बाहर किस प्रकार लिंग अनुसंधान किया जाए, उस क्रियाविधि को रूपांतरित करेगा, ताकि वैश्विक स्तर पर कृषिरत महिलाओं के लिए अधिक लिंग समानता और बेहतर आजीविका के लिए यथार्थपरत परिवर्तन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा सके। इस नई पहल का उद्देश्य कार्यनीतिपरत, टिकाऊ, कृषि-खाद्य नीति और समेकित युक्तियों पर अनुसंधान प्लेटफार्म के साथ वैश्विक कृषि के क्षेत्र में जीवन का रूपांतरण करना है।

इस संदर्भ में 31 जुलाई 2020 को वैश्विक संस्थान के रूप में भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए फ्रेमवर्क विकसित करने हेतु एक वर्चुअल विचारमंथन कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम के आरंभ में कार्यशाला की संयोजक डॉ. लिपिदास ने कार्यशाला आयोजित करने की संक्षिप्त पृष्ठभूमि के बारे में बताया और उन्होंने कहा कि यह कार्यशाला गृह विज्ञान पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की समीक्षा के दौरान 24 अप्रैल 2020 को भा.कृ.अ.प. के महानिदेशक की सिफारिश का परिणाम है।

डॉ. एस.के.श्रीवास्तव, निदेशक, भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यू ने कार्यशाला में भाग लेने के लिए उप महानिदेशक, सहायक महानिदेशक और विशेषज्ञों/ पैनलिस्ट का स्वागत किया। उन्होंने इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में भाग लेने के लिए निमंत्रण स्वीकार करने के लिए डॉ. पी. दास और पैनलिस्ट को धन्यवाद दिया। उन्होंने भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यू के संक्षिप्त इतिहास और इसके उद्भव के बारे में संक्षेप में बताया। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि संस्थान को कृषि तथा सबंधित गतिविधियों में श्रेष्ठता के लिए 'एशिया में सर्वश्रेष्ठ महिला सशक्तिकरण संस्थान पुरस्कार-2019' जैसे सम्मान प्राप्त हुए हैं। इस संस्थान को यह सम्मान ग्लोबल एजुकेशन इकोनॉमिक डेवलपमेंट फोरम (जीईईडीएफ), नई दिल्ली द्वारा प्राप्त हुआ है। अपनी परिचयात्म टिप्पणी में डॉ. पी.एस. पाण्डे ने बताया कि भा.कृ.अ.प. के कुछ संस्थानों को वैश्विक संस्थान, विश्वविद्यालय के रूप में विकसित करने का स्वप्न महानिदेशक महोदय का है और भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यू इन संस्थानों में से एक है। संस्थान में विषय पर आधारित अनुसंधान से परियोजना पर आधारित अनुसंधान की दिशा में प्रगति हुई, उसके पश्चात् इसकी जिंस आधारित प्रगति हुई और अब कार्यक्रम मोड में प्रगति हो रही है। उन्होंने सीआईडब्ल्यू के योगदानों पर प्रकाश डाला और कृषिरत महिलाओं की सेवा में इसके योगदान का उल्लेख किया। माननीय प्रधानमंत्री ने भी भा.कृ.अ.प. की अपनी हाल की समीक्षा में महत्वपूर्ण क्षेत्रों के रूप में महिलाओं के द्वारा किए जाने वाले श्रम और उनके पोषण का उल्लेख किया है। ये महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं। माननीय प्रधानमंत्री के इस उल्लेख से भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यू और गृह विज्ञान पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान

Dr. R.C. Agrawal in his opening remarks, stressed the need for change of mindset to work as a Global Institute, not only with the change of infrastructure, but the way we work in global standards. The Institute should work in a global context to achieve the Sustainable Development Goal (SDG) 5, ie., Gender Equality. ICAR-CIWA should be the think tank for gender based policy decisions. Transformation is the need of hour, and not the reforms, to make ICAR-CIWA a Global Institute.

International and National level Experts attended this virtual brainstorming workshop, and offered valuable inputs for propelling ICAR-CIWA as a Global Institute. Besides the Experts, Scientific and Technical Staff from ICAR-CIWA and AICRP on Home Science numbering about 80 participated in the workshop. After the opening session, the workshop was organized in two technical sessions. The first session was chaired by Dr. P. Das, Former DDG (Agril. Extension), ICAR, New Delhi and former Chairperson of QRT, ICAR-CIWA. The second technical session was chaired by Dr. Krishna Srinath.

The focal points of the brain storming session were;

- Nomenclature of Global Institute for Women in Agriculture
- Mission of the Global Institute–statement that identify the solution, benefit to deliver to the women in agriculture and other stakeholders
- Strength/ Weakness/Opportunity/Threats (SWOT analysis)
- Strength goal for the establishment of Global Institute
- The mandate, vision, thrust areas, objectives and activities which will be helpful to finalize the action plan
- Strategies for the establishment of Global Institute
- Outline of tactics -specific tasks to achieve specific objectives
- The collaborative international partners
- Research platforms
- Requirement of manpower- the requisite scientific personnel keeping in view the multi dimensional and expanded work to cater the needs of farm women, field functionaries, scientists, students, entrepreneurs in global perspective
- Infrastructural requirements

In his concluding remarks, Dr. S.K. Srivastava,

परियोजना का महत्व परिलक्षित होता है। उन्होंने इस तथ्य पर बल दिया कि वर्तमान संदर्भ की प्रासंगिता के अनुसार अब समय आ गया है कि हमें अगले 50 वर्षों के लिए योजना बना लेनी चाहिए, ताकि हम वैश्विक संदर्भ में कृषि में महिलाओं की आवश्यकता की पूर्ति कर सकें।

डॉ. आर.सी. अग्रवाल ने अपनी आरंभिक टिप्पणी में वैश्विक संस्थान के रूप में कार्य करने के लिए मानसिक सोच में परिवर्तन लाने की आवश्यकता पर बल दिया जिसके अंतर्गत न केवल बुनियादी ढांचे में परिवर्तन लाना होगा बल्कि हमें इस ढंग से कार्य करना होगा कि वह वैश्विक मानकों के अनुरूप हो। संस्थान को एस डी जी के पांचवा लक्ष्य, लिंग समानता को प्राप्त करने के वैश्विक संदर्भ में कार्य करना होगा। भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यू को लिंग आधारित नीति निर्णयों के लिए विचारों के एक प्रमुख स्रोत के रूप में कार्य करना होगा। रूपांतरण समय की आवश्यकता है और केवल सुधारों से ही भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यू को वैश्विक संस्थान नहीं बनाया जा सकता।

अनेक अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों ने इस वर्चुअलविचारमंथन कार्यशाला में भाग लिया तथा भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यू को वैश्विक संस्थान के रूप में आगे बढ़ाने के लिए अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। विशेषज्ञों के अलावा भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यू और गृह विज्ञान पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के वैज्ञानिको व तकनीकी स्टाफ सहित लगभग 80 प्रतिभागियों ने कार्यशाला में भाग लिया। आरंभिक सत्र के पश्चात् कार्यशाला दो तकनीकी सत्रों में आयोजित की गई। प्रथम सत्र की अध्यक्षता डॉ. पी. दास, पूर्व उप महानिदेशक (कृषि विस्तार), भा.कृ.अ.प., नई दिल्ली तथा क्यूआरटी, भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यू के पूर्व अध्यक्ष ने की। दूसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता डॉ. कृष्णा श्रीनाथ ने की।

इस विचार-मंथन सत्र के मुख्य बिंदु इस प्रकार हैं:

- वैश्विक कृषिरत महिला संस्थान का नामकरण
- वैश्विक संस्थान का मिशन – एक ऐसा कथन जिससे कृषिरत महिलाओं तथा अन्य हितधारकों की समस्याओं की पहचान हो सके व उन्हें लाभ दिलाया जा सके।
- शक्ति/निर्बलताएं/अवसर/संकट (स्वॉट विश्लेषण)
- वैश्विक संस्थान की स्थापना के लिए शक्ति लक्ष्य
- वे अधिदेश, दृष्टि, प्रबलित क्षेत्र, उद्देश्य व गतिविधियां जो कार्य योजना को अंतिम रूप देने में सहायक सिद्ध होंगी।
- वैश्विक संस्थान की स्थापना के लिए कार्यनीतियां
- विशिष्ट उद्देश्य प्राप्त करने के लिए टैक्टिस-विशिष्ट कार्यों की रूपरेखा
- सहयोगात्मक अंतरराष्ट्रीय साझेदार
- अनुसंधान मंच
- जलशक्ति की आवश्यकता – खेती से जुड़ी महिलाओं, प्रक्षेत्र व खेत कर्मियों, वैज्ञानिकों, छात्रों, उद्यमियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वैश्विक संदर्भ में बहु-आयामी और विस्तृत कार्य की दृष्टि से वैज्ञानिक कार्मिकों की आवश्यकता
- बुनियादी ढांचा संबंधी आवश्यकताएं

Director, ICAR-CIWA expressed his sincere gratitude to the Panellists for showing their concern for the Institute and offering constructive suggestions for strengthening the Institute, and to march towards a Global Institute. He once again highlighted the genesis of the Institute from NRCWA to DRWA to CIWA, wherein 'Women in Agriculture' in the nomenclature was common. He also expressed his gratitude to Dr. Trilochan Mohapatra, Secretary, DARE & DG, ICAR for taking special interest in the Institute, Dr. R.C. Agrawal, Deputy Director General (Agricultural Education) and Dr. P.S. Pandey, ADG (EP&HS) for their continuous support and guidance for development of the Institute. The Workshop ended with a formal vote of thanks by Dr. Lipi Das, Convener of the workshop.

Virtual Brainstorming Workshop on Identification of New Dimensions for Preparing National/ Global Level Database on Women in Agriculture

A Virtual Brainstorming Workshop on Identification of New Dimensions for Preparing National/Global Level Database on Women in Agriculture was organized by ICAR- Central Institute for Women in Agriculture, Bhubaneswar on 28 August, 2020. Dr. R. C. Agrawal, DDG (Agri. Edn.), ICAR in his key note address, highlighted the fact that women in India have a larger stake in agriculture and at the same time, they face numerous gender based constraints. Generation and dissemination of reliable gender disaggregated data in key areas of their socio-economic involvement are critical for effective planning of gender based policies. Dr. S. K. Srivastava, Director, ICAR-CIWA in his introductory remarks stressed that in a data driven society, the key to planning for optimal use of resources is the quality of data available.

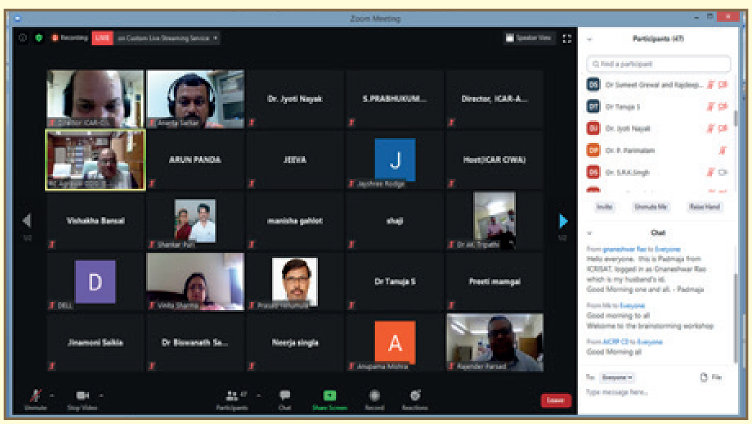

With large number of rural women taking up agriculture in a big way, there is a need to understand the bottlenecks which prevent the human potential of women in expressing themselves in the process of nation building through agricultural enterprises. Data on women in agriculture is available in a scattered manner with multiple sources which need

अपनी समापन टिप्पणी में डॉ. एस.के. श्रीवास्तव, निदेशक, भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए ने संस्थान के प्रति लगाव रखने तथा संस्थान को सशक्त बनाने तथा वैश्विक संस्थान की दिशा में आगे बढ़ने के लिए दिए गए रचनात्मक सुझावों के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने एक बार पुनः संस्थान के एनआरसीडब्ल्यूए से डीआरडब्ल्यूए और फिर सीआईडब्ल्यूए बनने की प्रक्रिया पर प्रकाश डालते हुए यह बताया कि इन सभी में 'कृषिरत महिला' नामकरण सामान्य था। उन्होंने डेयर के सचिव और भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्र, परिषद के उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा), डॉ. आर.सी. अग्रवाल और सहायक महानिदेशक (ईपी और एचएस) डॉ. पी.एस. पाण्डे का संस्थान में विशेष रूचि प्रदर्शित करने और संस्थान के विकास हेतु निरंतर सहायता व मार्गदर्शन करने के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यशाला का समापन कार्यशाला के संयोजक डॉ. लिपि दास के औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

कृषिरत महिलाओं पर राष्ट्रीय/वैश्विक स्तर का डेटाबेस तैयार करने के लिए नए आयामों की पहचान पर वर्चुअल विचार-मंथन कार्यशाला

भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर द्वारा 28 अगस्त 2020 को कृषिरत महिलाओं पर राष्ट्रीय/वैश्विक स्तर का डेटाबेस तैयार करने के लिए नए आयामों की पहचान पर वर्चुअल विचार-मंथन कार्यशाला आयोजित की गई। भा.कृ.अ.प. के उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. आर.सी. अग्रवाल ने अपने प्रमुख भाषण में इस तथ्य पर प्रकाश डाला कि भारत में कृषि में महिलाओं का बहुत योगदान है लेकिन इसके साथ ही उन्हें लिंग संबंधी अनेक बाधाओं का भी सामना करना पड़ता है। विश्वसनीय लिंग विसंयोजित आंकड़ों का सृजन और प्रचार-प्रसार लिंग पर आधारित नीतियों की प्रभावी योजना बनाने के लिए महत्वपूर्ण है तथा इसमें उनके सामाजिक-आर्थिक स्तर पर शामिल होने की आवश्यकता है। भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए के निदेशक डॉ. एस.के.श्रीवास्तव ने अपनी परिचयात्मक टिप्पणी में इस तथ्य पर बल दिया कि किसी आंकड़ा संचालित समाज में संसाधनों के उपयुक्ततम नियोजन के लिए गुणवत्तापूर्ण आंकड़ों का उपलब्ध होना अत्यंत आवश्यक है।

चूंकि बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं कृषि के कार्य कर रही हैं इसलिए उन बाधाओं को समझने की आवश्यकता है जिनके कारण कृषि उद्यम के द्वारा राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में महिलाएं स्वयं की क्षमता को व्यक्त नहीं कर पाती हैं। कृषिरत महिलाओं पर उपलब्ध आंकड़े इधर-उधर बिखरे हुए हैं तथा इनके अनेक स्रोत हैं। इन आंकड़ों को एकत्रित करके ग्रामीण महिलाओं के लिए सक्षम नीतियां बनाई जानी चाहिए। इसी संदर्भ में यह

to be collected and collated for making enabling policies for the rural women. In this context, this Brainstorming Workshop was organized with the focal points; identification of new dimensions for preparing a National/Global level database on women in agriculture, finalization of Gender Factsheet conceptualized and developed at ICAR-CIWA and finalization of Gender Database Questionnaire/ methodology for collection of primary data on sectoral contributions of women in agriculture.

Dr. Vinita Sharma, Former Chairperson, RAC, ICAR-CIWA and Dr. P. K. Agrawal, Vice Chancellor, OUAT chaired the technical sessions in which Eminent Experts from National and International research organizations including CGIAR institutions (ICRISAT-India, Nairobi and Mali), CIP (Vietnam), and Directors of ATARI participated as panellists and offered valuable inputs for identifying new dimensions for the gender data base. More than 70 participants including the Scientists and Technical Staff of ICAR-CIWA and AICRP on Women in Agriculture participated in the Workshop. Dr. Ananta Sarkar, Dr. Anil Kumar and Dr. J. Charles Jeeva from ICAR-CIWA organized the programme. The workshop was also live streamed through YouTube platform (https://youtu.be/iH1aKo3AKWY).

विचार-मंथन कार्यशाला आयोजित की गई जिसके मुख्य बिंदु थे: कृषि रत महिलाओं पर राष्ट्रीय/वैश्विक स्तर का डेटाबेस तैयार करने के लिए नए आयामों की पहचान भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए में संकल्पित और विकसित लिंग फैक्टशीट को अंतिम रूप देना और कृषिरत महिलाओं के क्षेत्रीय योगदानों पर प्राथमिक आंकड़े संकलित करने के लिए लिंग डेटाबेस प्रश्नावली/क्रियाविधि को अंतिम रूप देना।

डॉ. विनिता शर्मा, पूर्व अध्यक्ष, अनुसंधान सलाहकार समिति, भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए और डॉ. पी.के. अग्रवाल, कुलपति, ओडिशा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता की जिनमें विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान संगठनों जैसे सीजीआईएआर संस्थानों (इक्रीसेट-भारत, नैरोबी और माली), सीआईपी (वियतनाम) से आए प्रतिष्ठित विशेषज्ञों और अटारी के निदेशकों ने पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया तथा लिंग डेटाबेस के विभिन्न नए आयामों की पहचान के लिए अपने बहुमूल्य योगदान दिए। भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए और कृषिरत महिलाओं पर एआईसीआरपी के वैज्ञानिकों व तकनीकी स्टाफ सहित 70 से अधिक प्रतिभागियों ने इस कार्यशाला में भाग लिया। डॉ. अनन्त सरकार, डॉ; अनिल कुमार और डॉ. जे. चार्ल्स जीवा ने भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए की ओर से इस कार्यक्रम को आयोजित किया। यह कार्यशाला यू-ट्यूब प्लेटफार्म (https://youtube.be/iH1aKo3AKWY) के माध्यम से लाइव प्रसारित की गई।

CELEBRATION OF NATIONAL DAYS

राष्ट्रीय दिवसों का आयोजन

International Day of Yoga 2020

In view of the highly infectious nature of the virus causing COVID-19, the International Day of Yoga (IDY) on 21st June 2020 was celebrated by the staff members of ICAR-Central Institute for Women in Agriculture, Bhubaneswar at home around the themes Yoga @Home and Yoga with family. All the staff members actively performed the Common Yoga Protocol either individually or with family within the confines of their homes. Subsequently, they also performed customized 15-minutes programme on Yoga. The programme was facilitated by Dr. S. K. Srivastava, Director and coordinated by Dr. A. K. Panda, Nodal Officer, IDY.

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2020

कोविड-19 उत्पन्न करने वाले विषाणु की अत्यधिक संक्रामक प्रकृति के कारण भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर के स्टाफ सदस्यों ने 21 जून 2020 को अपने घर पर 'योग@होम एंड योग विद फेमिली' उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया। स्टाफ के सभी सदस्यों ने व्यक्तिगत रूप से या अपने परिवार के सदस्यों के साथ अपने-अपने घरों में रहते हुए सामान्य योग प्रोटोकॉल अपनाकर योग दिवस मनाया। अंत में उन्हें 15 मिनट के कार्यक्रम से योग से अवगत कराते हुए अभ्यास भी कराया गया। इस कार्यक्रम के सुविधक संस्थान के निदेशक डॉ. एस. के. श्रीवास्तव थे और इसका समन्वयन अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के नोडल अधिकारी डॉ. ए. के. पाण्डा ने किया।

Celebration of 150th Birth Anniversary of Mahatma Gandhi Ji

The 150th Birth Anniversary of Mahatma Gandhi Ji was celebrated at ICAR-Central Institute for Women in Agriculture (ICAR-CIWA), Bhubaneswar during the week ending 2nd October, 2020. As part of the week long celebrations, a painting competition on the theme ''World of Mahatma Gandhi'' was organized at the Institute on 30 September, 2020. Awareness creation programme on drudgery reduction of farm women was organized at the Institute for a cluster of Scheduled Caste farm women from different villages of Puri district on October 1, 2020. An essay writing competition on the theme ''Gandhi on Social Issues against Women'' was arranged on 1 October, 2020. The valedictory function of the 150th Birth Anniversary Celebration of Mahatma Gandhi Ji was organized virtually on 2 October 2020. The programme started with the introductory remarks by Dr. S. K. Srivastava, Director, ICAR-CIWA, in which he recited a poem on Father of our Nation. He also highlighted the role of Mahatma on Education, Agriculture, Rural Development, and especially on Women Empowerment. It was followed by an elocution competition on the theme ''Mahatma Gandhi's thoughts on Women Empowerment and Present Scenario'', in which most of the Staff participated with zeal and enthusiasm. All the Staff members paid tribute to Mahatma by reciting poems on Mahatma, and highlighting the quotes and talks on Gandhian philosophies.

महात्मा गांधी जी की 150वीं जयंती का आयोजन

भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर में 2 अक्तूबर 2020 को समाप्त होने वाले सप्ताह के दौरान महात्मा गांधी जी की 150 जयंती मनाई गई। एक सप्ताह के समारोह के रूप में 30 सितम्बर 2020 को संस्थान में 'महात्मा गांधी की दुनिया' विषय पर एक पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। संस्थान में 1 अक्तूबर 2020 को पुरी जिले के विभिन्न गांवों से आई अनुसूचित जाति की खेतिहर महिलाओं के एक समूह के लिए उनके श्रम को कम करने के लिए जागरूकता सृजन कार्यक्रम आरंभ किया गया। इसके साथ 1 अक्तूबर 2020 को 'महिलाओं के विरुद्ध सामाजिक मुद्दों पर गांधी' मुख्य विषय पर एक निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। महात्मा गांधी जी की 150 जयंती का समापन समारोह 2 अक्तूबर 2020 को वर्चुअली आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. एस.के. श्रीवास्तव, निदेशक, भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए की परिचयात्मक टिप्पणी से हुआ जिसमें उन्होंने हमारे राष्ट्रपिता पर एक कविता पाठ किया। उन्होंने शिक्षा, कृषि, ग्रामीण विकास और विशेष रूप से महिलाओं के सशक्तिकरण में महात्मा गांधी की भूमिका पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात् 'महिला सशक्तिकरण पर महात्मा गांधी के विचार और वर्तमान परिदृश्य' विषय पर वाककला प्रतियोगिता आयोजित हुई जिसमें अधिकांश स्टाफ ने बढ़-चढ़कर उत्साहपूर्वक भाग लिया। स्टाफ के सभी सदस्यों ने महात्मा गांधी पर कविताओं का पाठ करके तथा गांधी दर्शन के उद्धरणों और वार्ताओं पर प्रकाश डालते हुए महात्मा गांधी को भावभीनी श्रृद्धांजलि दी।

भा.क.अ.प.-सीआईडब्ल्यए म हिन्दी मास 2020 का आयोजन

डॉ संतोष कुमार श्रीवास्तव, निदेशक महोदय की अध्यक्षता में कृषिरत महिला संस्थान में हिन्दी चेतना मास कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह दिनांक 14 सितम्बर, 2020 को (ऑनलाइन) आयोजित किया गया | इस चेतना मास के शुभारंभ के दिन एक कार्यशाला का आयोजन किया गया | इस कार्यशाला में निदेशक महोदय ने सभी कर्मचारियों को संबोधित करते हुए उन्हें हिन्दी में कार्य करने की प्रेरणा दी। उन्होंने अपने वक्तव्य में सभी को स्वेच्छा से हिन्दी अपनाकर छोटे-छोटे लेख तथा कविता लिखने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी बताया कि हिन्दी में कैसे कार्य किया जाए और सरकारी कामकाज में कैसे अधिक से अधिक प्रयोग हो।

इसके पश्चात अतिथि वक्ता, जीव विज्ञान संस्थान (इंस्टीट्यूट ऑफ लाइफ साइन्स) के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अंशुमान दीक्षित ने "दैनिक शासकीय काम में हिन्दी भाषा की उपयोगिता तथा प्रयोग" पर एक व्याख्यान दिया। उन्होंने बहुत सहजता से शासकीय राजभाषा नीति, कार्यान्वयन व अनुपालन का उत्तरदायित्व व हिन्दी से संबंधित महत्वपूर्ण प्रावधानों के बारे में बताया। इसके पश्चात् संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सबिता मिश्रा, डॉ. अरुण कुमार पाण्डा, डॉ. ज्योति नायक, डॉ. चार्ल्स जीवा और वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनन्त सरकार ने बताया कि सरकारी कामकाज में हिन्दी का प्रयोग किस प्रकार किया जाए ओर किस प्रकार वे विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर पुरस्कार जीत सकते हैं।

दिनांक 1 अक्तूबर 2020 को सभी कर्मचारियों को माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर जी का संदेश तथा सचिव, डेयर व महानिदेशक, भा.कृ.अ.प. डॉ. त्रिलोचन महापात्र का संदेश पढ़कर सुनाया गया ताकि सभी कर्मचारी हिन्दी की उपयोगिता के बारे में जान सकें। दिनांक 6 अक्तूबर 2020 को हिन्दी चेतना मास के उपलक्ष में 'राजभाषा हिन्दी में सरकारी पत्राचार एवं सरकारी कामकाज में हिन्दी का प्रयोग, मसौदा व टिप्पण लेखन' विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में श्री रविन्द्र नाथ चांद, हिन्दी अधिकारी, एजी कार्यालय, भुवनेश्वर थे। दिनांक 13 अक्तूबर 2020 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष तथा भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए के निदेशक की उपस्थिति में समापन समारोह आयोजित हुआ। इस समारोह में संस्थान के सभी वैज्ञानिकों तथा कर्मचारियों ने कविता पाठ करके और चुटकले सुनाकर उपस्थित जनों का मनोरंजन किया। माननीय निदेशक महोदय ने सभी से हिन्दी में कार्य करने की अपील की और हिन्दी में मूल लेखन पर बल दिया।

अंत में, प्रभारी हिन्दी श्रीमती गीता शाह ने समस्त वैज्ञानिक व अन्य स्टाफ से हिन्दी भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए आगे आने का आग्रह किया तथा सभी कर्मचारियों को धन्यवाद देते हुए समारोह का समापन किया।

TRAINING / EXTENSION ACTIVITIES/ OUTREACH ACTIVITIES/ TECHNOLOGY TRANSFER

प्रशिक्षण / विस्तार गतिविधिया, आउटरीच गतिविधिया/ प्रौद्योगिकी हस्तातरण

Webinar on "Effective Policy Paper Writing for Women in Agriculture"

The Online Webinar on ''Effective Policy Paper Writing for Women in Agriculture'' through Zoom Cloud was organized by ICAR-Central Institute for Women in Agriculture (ICAR-CIWA), Bhubaneswar on 27th May, 2020. The programme started with the welcome to the resource persons and participants by Dr. S. K. Srivastava, Director, ICAR-CIWA. In his opening remarks, Dr. R. C. Agrawal, DDG (Ag. Edn.), ICAR, New Delhi stressed that ICAR-CIWA should come out with policy recommendations, for which this training is of paramount importance.

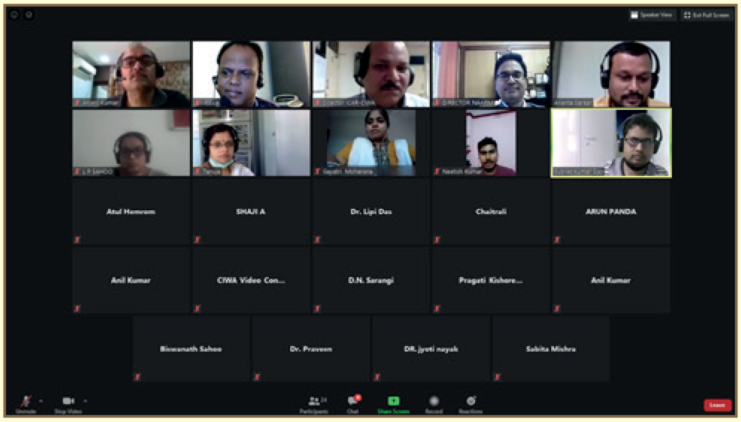

Dr. Ch. Srinivasa Rao, Director, ICAR-NAARM, Hyderabad delivered a lecture on ''Women Friendly Agricultural Policy Development", in which he presented an overview of the role of women in agriculture and the need for women-centric policy development in agriculture. Dr. Anjani Kumar, Research Fellow, IFPRI, New Delhi in his lecture on ''Writing Effective Policy Papers'', gave an outline of the components of a policy paper, important drivers of the research output, and the three R's of a policy recommendation viz., ''Right information'', in ''Right form'' and at ''Right time''.

In his concluding remarks, Dr. R. C. Agrawal reiterated that ICAR-CIWA is an unique institution, and it should show its uniqueness by bring out gender-centric policy recommendations. Dr. J. Charles Jeeva and Dr. Ananta Sarkar from ICAR-CIWA organized the programme. All the Scientific and Technical Staff of the Institute participated in the programme.

Webinar Series on 'Immuno-nutrition, Wellness management and Livelihood change'

A National Webinar Series on 'Immuno-nutrition, Wellness management and Livelihood change' was organized by ICAR-CIWA, AICRP Centre, AAU, Jorhat during 3-5 July, 2020. Dr. Trilochan Mohapatra, Hon'ble Secretary, DARE & Director General, ICAR, New Delhi delivered the key note address. Eleven

'कृषिरत महिलाओं के लिए प्रभावी नीति-पत्र लेखन' पर वेबिनार

भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर द्वारा 27 मई 2020 को 'कृषिरत महिलाओं के लिए प्रभावी नीति-पत्र लेखन' विषय पर ज़ूम क्लाउड के माध्यम से एक ऑन-लाइन वेबिनार आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. एस.के. श्रीवास्तव, निदेशक, भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए के संसाधन व्यक्तियों तथा प्रतिभागियों के स्वागत के साथ हुआ। अपनी आरंभिक टिप्पणी में भा.कृ.अ.प., नई दिल्ली के उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा) ने इस तथ्य पर बल दिया कि भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए को ऐसी नीति संबंधी सिफारिशें तैयार करनी चाहिए जो इस प्रशिक्षण के लिए अत्यधिक महत्व की हैं।

डॉ. च. श्रीनिवास राव, निदेशक, भा.कृ.अ.प.-नार्म हैदराबाद ने 'महिला अनुकूल कृषि नीति का विकास' विषय पर एक व्याख्यान दिया जिसमें उन्होंने कृषिरत महिलाओं की भूमिका तथा कृषि में महिला केन्द्रित नीति के विकास की आवश्यकता का एक सिंहावलोकन प्रस्तुत किया। डॉ. अंजनी कुमार, अनुसंधान अध्येता, आईएफपीआर, नई दिल्ली ने नीति-पत्र के विभिन्न घटकों, अनुसंधान निर्गत के महत्वपूर्ण संचालकों और नीति अनुशंसा के तीन 'आर' अर्थात् 'सही सूचना', 'सही रूप में' और 'सही समय पर' कैसे दी जाए, इसकी एक रूपरेखा प्रस्तुत की।

अपनी समापन टिप्पणी में डॉ. आर.सी. अग्रवाल ने याद दिलाया कि भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए एक अनोखा संस्थान है और इसने लिंग-केन्द्रित नीति संबंधी सिफारिशें तैयार करने अपना अनूठापन प्रदर्शित किया है। भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए के डॉ. जे. चार्ल्स जीवा और डॉ. अनन्त सरकार ने यह कार्यक्रम आयोजित किया था। इसमें संस्थान के सभी वैज्ञानिक और तकनीकी स्टाफ ने भाग लिया।

'रोगरोधी पोषण, स्वास्थ्य प्रबंधन और आजीविका परिवर्तन' पर वेबिनार श्रृंखला

भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए, अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना केन्द्र, असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहट द्वारा 3-5 जुलाई 2020 के दौरान 'रोगरोधी पोषण, स्वास्थ्य प्रबंधन और आजीविका परिवर्तन' पर एक राष्ट्रीय वेबिनार श्रृंखला का आयोजन किया गया। डॉ.

distinguished speakers from India and Abroad delivered their lectures on relevant topics. The Webinar series started with brief introduction by Dr Mamoni Das, Unit Coordinator of AICRP-HS, Jorhat Centre highlighting the aim of the webinar that is to generate awareness on positive management of physical, mental, emotional and social well being during unprecedented pandemic situation of COVID 19.

Dr. Ashok Bhattacharyya, Hon'ble Vice Chancellor (I/c) of Assam Agricultural University delivered the welcome address and spoke on need for physical well being by maintaining proper diet to support the immune system and wellness management since COVID 19 pandemic is rapidly sweeping across the world leading to increased level of fear, worry and concern among the population. As the pandemic situation is causing increased level of unemployment, he also pointed out the necessity for innovative livelihood approaches.

Dr. Trilochan Mohapatra, Secretary, DARE & DG, ICAR while delivering the key note address, emphasised the importance of practicing rich Indian culture and tradition including yoga and meditation for health management. He highlighted that for the wellness of individuals, science based methodologies should be applied to stay fit and healthy and food matters a lot in context to wellness. He stressed that nutrition education should be the core of all education today.

Dr. K. M. Bujarbaruah, Former Vice-Chancellor, Assam Agricultural University suggested that there is an urgent need for innovative approaches in creating livelihoods during and after COVID pandemic for the youths in different areas. He further highlighted the importance of generating employment opportunities in different sectors by collectively identifying the areas and plan accordingly to materialize the concept of Atmanirbhar. Delivering the talk on 'Youth led Agriculture: Key to modernization in Agriculture and National Food Security,' Dr. Lipi Das, Principal Scientist (Agri.Extn), & Nodal Officer, AICRP-HS, ICAR-CIWA, Bhubaneswar emphasized on importance of converting farmers to agri-preneurs in order to attract the youths to agriculture sector. Dr. P. K. Neog, Director, EEI-NE Region, Assam Agricultural University, Jorhat focussed on harnessing Information and Communication Technology for development (ICT4D).

In the second day of the Webinar on Immuno nutrition, Eminent Scientist and Former Director of National Institute of Nutrition, Dr. B Sesikeran, delivered his speech on 'Nutrition and Immunity: The Way

त्रिलोचन महापात्र, सचिव, डेयर और महानिदेशक, भा.कृ.अ.प., नई दिल्ली ने मुख्य व्याख्यान दिया। भारत तथा विदेश के 11 प्रतिष्ठित वक्ताओं ने संबंधित विषयों पर व्याख्यान दिए। इस वेबिनार श्रृंखला का शुभारंभ डॉ. ममोनी दास, इकाई समन्वयक, एआईसीआरपी-गृह विज्ञान, जोरहट केन्द्र के संक्षिप्त परिचय व्याख्यान के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने वेबिनार के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। यह उद्देश्य कोविड-19 अभूतपूर्व महामारी की दशा के दौरान भौतिक, मानसिक, भावनात्मक तथा सामाजिक स्वास्थ्य के सकारात्मक प्रबंधन के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था।

डॉ. अशोक भट्टाचार्य, कुलपति(प्रभारी), असम कृषि विश्वविद्यालय ने स्वागत भाषण दिया तथा उन्होंने रोगरोधी प्रणाली और स्वास्थ्य प्रबंध के लिए उचित आहार करके भौतिक स्वास्थ्य को बनाए रखने की आवश्यकता के बारे में बताया, क्योंकि कोविड-19 महामारी पूरे विश्व को तेजी से अपनी चपेट में ले रही है जिससे जनसंख्या में भय, चिंता और निराशा की भावना बढ़ी है। चूंकि महामारी की इस स्थिति के कारण बेरोजगारी बढ़ी है, अत: उन्होंने आजीविका के नए उपायों की आवश्यकता की ओर भी इशारा किया।

डॉ. त्रिलोचन महापात्र, सचिव, डेयर और महानिदेशक, भा.कृ.अ.प. ने मुख्य भाषण देते हुए स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए योग और ध्यान सहित समृद्ध भारतीय संस्कृति और परंपरा को अपनाने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने इस तथ्य पर प्रकाश डाला कि लोगों के स्वास्थ्य के लिए विज्ञान पर आधारित क्रियाविधियां अपनाई जानी चाहिए, ताकि स्वास्थ्य के संदर्भ में हम स्वस्थ रहें। उन्होंने वर्तमान की सकल शिक्षा में पोषण शिक्षा को शामिल किए जाने पर भी बल दिया।

डॉ. के.एम. बजरबरुआ, पूर्व कुलपति, असम कृषि विश्वविद्यालय ने यह सुझाव दिया कि विभिन्न क्षेत्रों में कोविड वैश्विक महामारी के दौरान और उसके पश्चात् युवाओं के लिए आजीविका के अवसर सृजित करने में नवीन दृष्टिकोण अपनाए जाने चाहिए। उन्होंने क्षेत्रों की सामूहिक रूप से पहचान करके विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर सृजित करने और तद्नुसार आत्मनिर्भरता की संकल्पना को यथार्थ रूप देने के महत्व पर भी प्रकाश डाला। 'युवा नेतृत्व में कृषि: कृषि तथा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा में आधुनिकीकरण की कुंजी' शीर्षक की वार्ता प्रस्तुत करते हुए डॉ. लिपि दास, प्रधान वैज्ञानिक (कृषि विस्तार) और नोडल अधिकारी, एआईसीआरपी-गृह विज्ञान, भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए, भुवनेश्वर ने कृषि क्षेत्र में युवाओं को आकर्षित करने के लिए किसानों को कृषि उद्यमियों में परिवर्तित करने के महत्व पर बल दिया। डॉ. पी.के. नियोग, निदेशक ईईआई-एनई क्षेत्र, असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहट ने विकास के लिए सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी4डी) का लाभ उठाने पर सभी का ध्यान दिलाया।

रोगरोधी पोषण पर वेबिनार के दूसरे दिन प्रतिष्ठित वैज्ञानिक तथा राष्ट्रीय पोषण संस्थान के पूर्व निदेशक, डॉ. बी. सेसिकेरन ने 'पोषण और रोगरोधिता : भावी दिशा' विषय पर व्याख्यान दिया तथा प्रतिभागियों को कोविड-

Ahead' and enlightened the participants on global scenario of COVID 19 pandemic and correlation of immunity with nutrition, morbidity and mortality. Eminent pharmacologist and Scientist Dr. B. Dinesh Kumar, Head of the Department, Drug Toxicology Division, ICMR, NIN, Hyderabad delivered speech on "Pharmacological and Non Pharmacological Intervention to Combat Pandemic- COVID 19". Another important deliberation was on 'Dealing with Infodemic during Pandemic' by Dr. G.M. Subba Rao, Deputy Director of Media, Communication & Extension of ICMR-NIN, Hyderabad. He stressed upon streamlining the overload of information during the pandemic and put forwarded advices for managing and designing proper diet and nutrition and adopting proper food safety measures.

The third day of the webinar was on "Wellness Management". A Clinical Psychiatrist from Chicago laid emphasis on social connection and suggested measures for managing mental health during pandemic. Dr. Rouf Iqbal from National Institute of Industrial Engineering, Mumbai delivered talk on 'Work environment management: from home to office' and emphasized on importance of creating an appropriate working environment at home while working from home during this pandemic. Dr. S. K. Srivastava, Director delivered a talk on 'Wellness management for boosting immunity during COVID 19' giving more importance on naturopathy and yogic method for positive physical and mental health.

Around 3000 participants registered for the webinars including academicians, faculties, researchers, policy makers, health workers and students from abroad as well as from different institutes across India. Participants from abroad including UK, Germany, Zambia, Sudan, Tanzania, Phillipines, Jeddah, Dubai participated in the webinar.

National Webinar on ''Women FPOs: An Effective Approach for Boosting Entrepreneurship, Empowerment and Self – reliance (Atmanirbhar)''

A National Webinar on 'Women FPOs: An Effective Approach for Boosting Entrepreneurship, Empowerment and Self –reliance (Atmanirbhar)' was jointly organized by ICAR-Central Institute for Women in Agriculture, Bhubaneswar and AICRP on Home Science Centre MPUAT, Udaipur on 10 September, 2020. It was inaugurated by the Chief Guest Dr. Narendra Singh Rathore, Hon'ble Vice-Chancellor, MPUAT, Udaipur. In his key note address on "Options for increasing entrepreneurship, empowerment and self-reliance among the farm women'', he emphasized on Farmer Producer Association and its role on

19 वैश्विक महामारी तथा पोषण के साथ रोगरोधिता जीर्णता तथा मृत्यु के संबंध पर प्रकाश डाला। प्रतिष्ठित औषधिविद् तथा वैज्ञानिक डॉ. बी. दिनेश कुमार, विभागाध्यक्ष औषधि आविष विज्ञान प्रभाग, आईसीएमआर, एनआईएन, हैदराबाद ने 'वैश्विक महामारी-कोविड 19 से संघर्ष के लिए औषधिविज्ञानी तथा अ-औषधि विज्ञानी हस्तक्षेप' पर अपना व्याख्यान दिया। एक अन्य व्याख्यान डॉ. जी.एम. सुब्बाराव, मीडिया, संचार एवं विस्तार उप निदेशक, आईसीएमआर-एनआईएन, हैदराबाद ने दिया जो 'वैश्विक महामारी के दौरान इंफोडेमिक के साथ निपटना' विषय पर था। उन्होंने इस वैश्विक महामारी के दौरान बड़ी मात्रा में उपलब्ध सूचना को सुचारू बनाने पर बल दिया तथा उचित आहार और पोषण के प्रबंधन और डिजाइनिंग तथा खाद्य सुरक्षा के उचित उपाय अपनाने के संबंध में अपने मूल्यवान परामर्श दिए।

वेबिनार का तीसरा दिन 'स्वास्थ्य प्रबंधन' पर था। शिकागो से आए एक नैदानिक मनोचिकित्सक ने सामाजिक संबंध पर बल दिया और वैश्विक महामारी के दौरान मानसिक स्वास्थ्य के प्रबंधन के उपाय सुझाए। राष्ट्रीय औद्योगिक अभियांत्रिकी संस्थान, मुम्बई से आए डॉ. राउफ इकबाल ने 'कार्य पर्यावरण प्रबंधन : गृह से कार्यालय' विषय पर एक वार्ता प्रस्तुत की तथा इस वैश्विक महामारी के दौरान घर से कार्य करते समय घर में उचित कार्यशील पर्यावरण सृजित करने के महत्व पर बल दिया। निदेशक, डॉ. एस.के. श्रीवास्तव ने 'कोविड-19 के दौरान रोगरोधिता बढ़ाने के लिए स्वास्थ्य प्रबंधन' विषय पर वार्ता प्रस्तुत की तथा सकारात्मक भौतिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए प्राकृतिक चिकित्सा व योग की विधियों पर अधिक महत्व दिया।

विदेश तथा भारत के विभिन्न संस्थानों से आए शिक्षाविदों, संकाय सदस्यों, अनुसंधानकर्ताओं, नीति-निर्माताओं, स्वास्थ्य कर्मियों तथा छात्रों सहित लगभग 3000 प्रतिभागी वेबिनार के लिए पंजीकृत हुए। यूके, जर्मनी, जाम्बिया, सूडान, तंजानिया, फिलीपाइंस, जेद्दाह, दुबई सहित अनेक देशों से आए प्रतिभागियों ने इस वेबिनार में भाग लिया।

'महिला एफपीओ: उद्यमशीलता, सशक्तिकरण और आत्म-निर्भरता को बढ़ाने का एक प्रभावी उपाय' पर राष्ट्रीय वेबिनार

भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर तथा गृह विज्ञान पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना केन्द्र, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर द्वारा सम्मिलित रूप से दिनांक 10 सितम्बर 2020 को 'महिला एफपीओ: उद्यमशीलता, सशक्तिकरण और आत्म-निर्भरता को बढ़ाने का एक प्रभावी उपाय' विषय पर एक राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किया गया। इसका उद्घाटन महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. नरेन्द्र सिंह राठौर ने किया जो इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। 'फार्म महिलाओं के बीच उद्यमशीलता, सशक्तिकरण और आत्म–निर्भरता बढ़ाने के विकल्प' विषय पर अपने मुख्य व्याख्यान में उन्होंने कृषक उत्पादक एसोसिएशन तथा उद्यमशीलता, सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और मूल्यवर्धन में इनकी

entrepreneurship, empowerment, self-reliance and value addition. Further, he accentuated that education, knowledge and skill-based capacity development are essential for empowerment of farm women to start their own ventures in order to improve their economical and socio-economic status.

Dr. S. K. Srivastava, Director, ICAR-CIWA urged the research and extension scientists to motivate the stakeholders to step forward and start agro enterprises by formulating WFPOs. Dr. Meenu Srivastava, Dean, College of Community and Applied Sciences, MPUAT, Udaipur appreciated the activities carried out under AICRP for economic empowerment of farm women in agriculture and allied sectors. Dr. Abhay Kumar Mehta, Director of Research, MPUAT, Udaipur gave the welcome address. Dr. Lipi Das, Principal Scientist and Convener of this Webinar gave a brief background of organizing this Webinar. Lead lectures were presented by four eminent experts covering various aspects of Women Farmer Producer Organization. Dr. P. Chandrasekara, Director General, CCS-NIAM, Jaipur presented an abstract information on "Construction of Women Farmers Entrepreneurship Producer Associations-A Best Effort" in which he described about twenty essential points required for Construction of Women Farmers Entrepreneurship Producer Associations. Dr. V. V. Sadamate, Former Advisor (Agriculture), Planning Commission, New Delhi stated that the critical areas to be covered under capacity building for FPOs should touch the aspects of business planning to maximize benefits as well as to reduce the business risks and monitoring. Dr. Samarendu Mohanty, Asia Regional Manager, CIP (CGIAR) emphasized that there is a need to connect farmers to a value-chain as this will help them in becoming agri-entrepreneurs. Dr. Ranjit Kumar, Head (ABM), ICAR-NAARM, Hyderabad, emphasized on "Business Planning for Farmer Producer Organizations" and explained the business details, market analysis and product specifications. At the end of the Webinar, Dr Sudha Babel, Unit Coordinator, AICRP on Home Science, Udaipur presented concluding remarks of the technical session. Dr. Visakha Bansal, Technical Coordinator (Home Science Extension) proposed the vote of thanks. The programme was attended by 297 registered participants.

भूमिका पर बल दिया। इसके साथ उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं की आर्थिक तथा सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए वे अपने स्वयं के उद्यम आरंभ कर सकें। इसके लिए सशक्तिकरण हेतु शिक्षा, ज्ञान तथा कौश्ल आधारित क्षमता का विकास होना अनिवार्य है।

डॉ. एस.के. श्रीवास्तव, निदेशक, भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए ने डब्ल्यूएफपीओ के गठन के द्वारा एक कदम आगे आने और कृषि उद्यम आरंभ करने की दिशा में हितधारकों को प्रेरित करने के लिए अनुसंधान तथा विस्तार वैज्ञानिकों से अनुरोध किया। डॉ. मीनू श्रीवास्तव, अधिष्ठाता, सामुदायिक तथा व्यावहारिक विज्ञान महाविद्यालय, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर ने अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत कृषि तथा सम्बद्ध क्षेत्रों में खेतिहर महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए चलाई जा रही गतिविधियों की सराहना की। डॉ. अभय कुमार मेहता, अनुसंधान निदेशक, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर ने स्वागत भाषण दिया। डॉ. लिपि दास, प्रधान वैज्ञानिक तथा इस वेबिनार की संयोजक ने यह वेबिनार आयोजित करने की संक्षिप्त पृष्ठभूमि प्रस्तुत की। चार प्रतिष्ठित विशेषज्ञों द्वारा प्रमुख व्याख्यान दिए गए जिनमें महिला कृषक उत्पादन संगठन के सभी पहलुओं पर चर्चा की गई। डॉ. पी. चन्द्रसेकरा, महानिदेशक, सीसीएस-एनआईएएम, जयपुर ने 'महिला कृषक उद्यमशीलता उत्पादक एसोसिएशनों का गठन – एक सर्वश्रेष्ठ प्रयास' पर सारांश सूचना-पत्र प्रस्तुत किया जिसमें उन्होंने महिला कृषक उद्यमशीलता उत्पादक एसोसिएशन गठित करने के लिए वांछित लगभग बीस अनिवार्य बिंदुओं का वर्णन किया। डॉ. वी.वी. सदामते, पूर्व परामर्शक (कृषि), योजना आयोग, नई दिल्ली ने बताया कि एफपीओ के लिए क्षमता निर्माण के अंतर्गत जिन महत्वपूर्ण क्षेत्रों को लिया जाना है उनमें व्यापार नियोजन के सभी पहलुओं का ध्यान रखा जाना चाहिए, ताकि सर्वोच्च लाभ मिल सके और व्यापार संबंधी जोखिम व निगरानी के कार्यों में कमी लाई जा सके। डॉ. समरेन्दु मोहंती, एशिया क्षेत्रीय प्रबंधक, सीआईपी(सीजीआईएआर) ने मूल्य श्रृंखला से किसानों जो जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया क्योंकि इससे किसानों को कृषि उद्यमी बनने में सहायता मिलेगी। डॉ. रंजीत कुमार, अध्यक्ष (एबीएम), भा.कृ.अ.प.-नार्म, हैदराबाद ने 'कृषक उत्पादक संगठनों के लिए व्यापार नियोजन' पर बल दिया तथा व्यापार संबंधी विवरणों, बाजार विश्लेषण और उत्पाद विशिष्टताओं की व्याख्या की। वेबिनार के अंत में डॉ. सुधा बाबेल, इकाई समन्वयक, गृह विज्ञान, उदयपुर ने तकनीकी सत्र की समापन टिप्पणियां प्रस्तुत कीं। डॉ. विशाखा बंसल, तकनीकी समन्वयक (गृह विज्ञान विस्तार) ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस कार्यक्रम में 297 पंजीकृत प्रतिभागियों ने भाग लिया।

Distribution of inputs under DSIR funded project on Adding Value to fish a potential livelihood option for rural women of Odisha

S. No.	Name of the programme	Venue and Date	No of women beneficiaries	Input distributed/ skill imparted	Organizing team
1	Distribution of inputs under DSIR funded project on Adding Value to fish a potential livelihood option for rural women of Odisha	ICAR-CIWA 1 June 2020	12	Packaging machine, packaging materials, meat mincer and utensils	J. Charles Jeeva Tanuja S

ओडिशा की ग्रामीण महिलाओं के लिए सक्षम आजीविका विकल्प के रूप में मछली के मूल्यवर्धन पर डीएसआईआर की निधि सहायता प्राप्त परियोजना के अंतर्गत निवेशों का वितरण

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	स्थान और तिथि	महिला लाभार्थियों की संख्या	वितरित निवेश/ प्रदान किया गया कौशल	संगठन दल
1	ओडिशा की ग्रामीण महिलाओं के लिए सक्षम आजीविका विकल्प के रूप में मछली के मूल्यवर्धन पर डीएसआईआर की निधि सहायता प्राप्त परियोजना के अंतर्गत निवेशों का वितरण	भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए 1 जून 2020	12	पैकेजिंग यंत्र, पैकेजिंग सामग्री, मीट का कीमा बनाने की युक्ति तथा पात्र	जे. चार्ल्स जीवा तनुजा एस

Distribution of drudgery reducing farm tools and sprayers to SC farm women

SCHEDULED CASTES SUB-PLAN (SCSP)

SCSP Programme on the occasion of Celebration of 150th Birth Anniversary of Mahatma Gandhi Ji

The 150th Birth Anniversary of Mahatma Gandhi was celebrated at ICAR-Central Institute for Women in Agriculture (ICAR-CIWA), Bhubaneswar during the week ending 2nd October, 2020. As part of the week long celebrations, awareness creation programme on drudgery reduction of farm women was organized at the Institute for a cluster of Scheduled Caste farm women from different villages of Puri district on 30 September, 2020. As part of the SCSP scheme, drudgery reducing farm tools such as improved sickles, hand hoe, trowel, trench hoe, secateurs and 16 litre manual operated agricultural sprayers were distributed to 55 farm women from SC families, identified by an NGO

अनुसूचित जाति उप-परियोजना (एससीएसपी)

महात्मा गांधी जी 150वीं जयंती के अवसर पर एससीएसपी कार्यक्रम

भा.कृ.अ.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान (भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए), भुवनेश्वर ने 2 अक्तूबर 2020 को समाप्त हुए सप्ताह के दौरान महात्मा गांधी की 150वीं जयंती बनाई गई। एक सप्ताह लंबे समारोह के एक अंग के रूप में 30 सितम्बर 2020 को पुरी जिले के विभिन्न गांवों की अनुसूचित जाति की खेतिहर महिलाओं के समूह के लिए संस्थान में खेतिहर महिलाओं के श्रम को कम करने पर जागरूकता सृजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। एससीएसपी योजना के एक भाग के रूप में खेती के दौरान श्रमिकों के श्रम को कम करने के लिए उन्नत हसिया, हाथ से चलाने वाली हो, ट्रॉलर, ट्रेंच हो, सेकेट्यूर और मानव संचालित 16 लिटर के कृषि छिड़काव युक्ति जैसे यंत्र व औजार बांटे गए। ये औजार पुरी जिले के सत्यवादी ब्लॉक के स्वयंसेवी संगठन नामत: दलित विकास समिति द्वारा पहचानी गई अनुसूचित जाति की 55 खेतिहर महिलाओं के बीच बांटे गए।

viz., Dalit Vikas Samiti, Satyabadi block, Puri. Dr. J. Charles Jeeva, Dr. Ananta Sarkar and Mr. Subrat Kr. Das coordinated the progarmme.

TRAINING/ SEMINAR/ SYMPOSIUM ATTENDED

S. No.	Programme (Conference/ Workshop/ Training/ Meeting)	Venue/ Organized by	Date	Attended by
1.	Women in Agriculture Sector: Consultation on Facilitating a Better Role	National Commission for Women, New Delhi	8 May, 2020	S.K. Srivastava
2.	Online Workshop on "Training Management Information System (TMIS) for HRD Nodal Officers of ICAR"	HRM Unit, ICAR, New Delhi	8 May, 2020	J. Charles Jeeva
3.	Webinar on "Effective Policy Paper Writing for Women in Agriculture"	ICAR-CIWA, Bhubaneswar	27 May, 2020	All Scientific and Technical Staff
4.	NAARM-TBI : aIDEA Webinar on the theme of "Approaches of Public Funded Research Organizations in Agri-Technology Generation and its Transfer in New Normal Situation"	ICAR-NAARM, Hyderabad	28 May, 2020	J. Charles Jeeva
5.	KRISHI Geoportal Spatial Data Infrastructure and Applications - A Way Forward	ICAR-NBSS &LUP, Nagpur	2 June, 2020	Ananta Sarkar
6.	National Webinar on ''Business Opportunities in Fish Post-Harvest'"	Online ICAR-CIPHET, Ludhiana	5 June, 2020	Tanuja, S
7.	National Webinar on "Modern Agricultural Technology: A Step Towards Rural Self-Reliance"	Institute of Agriculture, viswa-Bharati, West Bengal	12-14 June, 2020	Pragati K Rout

डॉ. चार्ल्स जीवा, डॉ. अनन्त सरकार और श्री सुब्रत कुमार दास ने इस कार्यक्रम का समन्वयन किया।

प्रशिक्षण / संगोष्ठी / सिम्पोज़ियम में प्रतिभागिता

क्र. सं.	कार्यक्रम (सम्मेलन/ कार्यशाला/प्रशिक्षण/ बैठक)	स्थान/आयोजक	तिथि	प्रतिभागी
1.	कृषि क्षेत्र में महिलाएं: बेहतर भूमिका की सुविधा पर परामर्श	राष्ट्रीय महिला आयोग, नई दिल्ली	8 मई 2020	एस.के. श्रीवास्तव
2.	'भा.कृ.अ.प. के एचआरडी नोडल अधिकारियों के लिए प्रबंधन सूचना प्रणाली पर प्रशिक्षण (टीएमआईएस) ईएस)' पर ऑन लाइन कार्यशाला	एचआरएम इकाई, भा.कृ.अ.प., नई दिल्ली	8 मई 2020	जे. चार्ल्स जीवा
3.	'कृषिरत महिलाओं के लिए प्रभावी नीतिपत्र लेखन' पर वेबिनार	भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए, भुवनेश्वर	27 मई, 2020	सभी वैज्ञानिक और तकनीकी स्टाफ
4.	'कृषि प्रौद्योगिकी सृजन में सार्वजनिक निधि सहायता प्राप्त अनुसंधान संगठनों के दृष्टिकोण तथा नई समान स्थितियों में इसका हस्तांतरण' मुख्य विषय पर नार्म-टीबीआई: aIDEA वेबिनार	भा.कृ.अ.प.-नार्म, हैदराबाद	28 मई, 2020	जे. चार्ल्स जीवा
5.	कृषि जियोपोर्टल स्थानिक आंकड़ा अवसंरचना एवं अनुप्रयोग – भावी दिशा	भा.कृ.अ.प.-एनबीएसएस और एलयूपी, नागपुर	2 जून, 2020	अनन्त सरकार
6.	'मत्स्य प्रग्रहण उपरांत व्यापार के अवसर' पर ऑन-लाइन राष्ट्रीय वेबिनार	भा.कृ.अ.प.-सीआईपीएचईटी, लुधियाना	5 जून 2020	तनुजा एस.
7.	'आधुनिक कृषि प्रौद्योगिकी: ग्रामीण आत्मनिर्भरता की ओर एक कदम' पर राष्ट्रीय वेबिनार	कृषि संस्थान, विश्व भारती, पश्चिम बंगाल	12-14 जून, 2020	प्रगति के राउत

S. No.	Programme (Conference/ Workshop/ Training/ Meeting)	Venue/ Organized by	Date	Attended by
8.	International Conference (Web) on "Novel Approaches in Agro-ecology, Forestry, Horticulture, Aquaculture, Animal Biology and Food Sciences for Sustainable Community Development" (Agrotech-2020)	Krishi Sanskriti	14 June, 2020	Tanuja, S Chaitrali S Mhatre
9.	Training on "e-Office"	ICAR-CIWA, Bhubaneswar	17 June, 2020	All Staff
10.	International Web Conference on New Trends in Agriculture, Environmental and Biological Sciences (NTAEBSID)	Online By AEDS	21-22 June, 2020	Tanuja, S Gayatri Moharana Chaitrali S Mhatre
11.	Food and nutritional security in climate change era: Challenges and solutions	Jannayak Chandrasekhar University, Balia	22 June 2020	Anil Kumar
12.	National Webinar on Awareness & Use of CeRA Resources through J-Gate Discovery Platform	Online by Nehru Library, CCS Haryana Agricultural University, Hisar, (CeRA) – DKMA-ICAR, New Delhi and Informatics Publishing Limited, Bangalore	25 June, 2020	Tanuja, S
13.	Ergonomical Design Guidelines for Agricultural Tools and Equipment	ICAR-IAE, Bhopal	29 June-3 July, 2020	Jyoti Nayak Pragati K. Rout
14.	National Webinar Series on Immuno - Nutrition, Wellness Management & Livelihood Change	AICRP on HS, Assam Agricultural University, Jorhat In association with ICAR-CIWA, Bhubaneswar	3-5 July, 2020	All Scientists and Technical Staff

क्र. सं.	कार्यक्रम (सम्मेलन/ कार्यशाला/प्रशिक्षण/ बैठक)	स्थान/आयोजक	तिथि	प्रतिभागी
8.	'टिकाऊ सामुदायित विकास के लिए कृषि पारिस्थितिक विज्ञान, वन, बागवानी, जलजंतुपालन, पशु जीवविज्ञान और खाद्य विज्ञान में नई युक्तियां' विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (वेब) एग्रोटेक-2020	कृषि संस्कृति	14 जून 2020	तनुजा एस., चेत्राली एस. म्हात्रे
9.	'ई-आफिस' पर प्रशिक्षण	भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए, भुवनेश्वर	17 जून 2020	सभी स्टाफ
10.	कृषि, पर्यावरण एवं जीवविज्ञान में नई प्रवृत्तियों पर अंतरराष्ट्रीय वेब सम्मेलन (ऑनलाइन)	एईडीएस	21-22 जून 2020	तनुजा एस., गायत्री मोहराना, चेत्राली एस. म्हात्रे
11.	जलवायु परिवर्तन के युग में खाद्य एवं पोषणिक सुरक्षा: चुनौतियां एवं समाधान	जननायक चंद्र शेखर विश्वविद्यालय, बलिया	22 जून 2020	अनिल कुमार
12.	जे-गेट डिस्कवरी प्लेटफार्म के माध्यम से जागरूकता एवं CeRA संसाधनों के उपयोग पर राष्ट्रीय वेबिनार (ऑनलाइन)	नेहरू पुस्तकालय, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार (CeRA) – डीकेएमएस-भा. कृ.अ..प., नई दिल्ली और इन्फोर्मेटिक्स पब्लिशिंग लिमिटेड, बंगलुरू	25 जून, 2020	तनुजा एस.
13.	कृषि औजारों और उपकरणों के लिए श्रम विज्ञानी डिज़ाइन दिशानिर्देश	भा.कृ.अ.प.-आईएई, भोपाल	29 जून -3 जुलाई, 2020	ज्योति नायक, प्रगति के. राउत
14.	रोगरोध – पोषण, स्वास्थ्य प्रबंधन एवं आजीविका परिवर्तन पर राष्ट्रीय वेबिनार श्रृंखला	गृह विज्ञान पर एआईसीआरपी, असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहट; भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए, भुवनेश्वर के सहयोग से	3-5 जुलाई 2020	सभी वैज्ञानिक एवं तकनीकी स्टाफ

S. No.	Programme (Conference/ Workshop/ Training/ Meeting)	Venue/ Organized by	Date	Attended by
15.	Training on Framework of Treasury Single Account System for Autonomous Bodies through PFMS	CGA, New Delhi	17 July, 2020	S.K. Srivastava Shaji, A. Janardan Biswal
16.	Webinar on "Opportunities for Business Development in In-vitro Production of Phytochemicals from Medicinal Plants"	ICAR-DMAPR, Medi-Hub DMAPR-Technology Business Incubator	18 July, 2020	Tania Seth
17.	Precision Farming in Banana	ICAR-NRCB, Trichy	25 July, 2020	M. Prusty Pragati K. Rout
18.	Disease Management in Banana	ICAR-NRCB, Trichy	29 July, 2020	M. Prusty
19.	Brainstorming Workshop to Develop a Framework for Propelling ICAR-CIWA as Global Institute for Women in Agriculture	ICAR-CIWA, Bhubaneswar	31 July, 2020	All Scientists and Technical Staff
20.	Digital Discourse Series 2020 on "Gender and Pandemic-Challenges and Opportunities"	ICAR-ATARI, Bengaluru	11 August, 2020	Lipi Das J. Charles Jeeva (As Resource Persons)
21.	National Webinar on "Women FPOs: An Effective Approach for Boosting Entrepreneurship, Empowerment and Self-reliance (*Atmanirbhar*)"	Online; AICRP on HS, MPUAT, Udaipur and ICAR-CIWA, Bhubaneswar	10 September, 2020	All scientists

क्र. सं.	कार्यक्रम (सम्मेलन/ कार्यशाला/प्रशिक्षण/ बैठक)	स्थान/आयोजक	तिथि	प्रतिभागी
15.	पीएफएमएस के माध्यम से स्वायत्तशासी निकायों के लिए कोष एकल लेखा प्रणाली के फ्रेमवर्क पर प्रशिक्षण	सीजीए, नई दिल्ली	17 जुलाई 2020	एस.के. श्रीवास्तव शाजी, ए. जनार्दन बिस्वाल
16.	'औषधीय पौधों से पादप रसायनों के स्वपात्रे उत्पादन में व्यापार विकास हेतु अवसर' पर वेबिनार	भा.कृ.अ.प.- डीएमएपीआर, मेडी-हब डीएमएपीआर-प्रौद्योगिकी व्यापार इन्क्यूबेटर	18 जुलाई 2020	तानिया सेठ
17.	केले में परिशुद्ध खेती	भा.कृ.अ.प.- एनआरसीबी, त्रिची	25 जुलाई 2020	एम. प्रुस्ती प्रगति के. राउत
18.	केले में रोग प्रबंधन	भा.कृ.अ.प.- एनआरसीबी, त्रिची	29 जुलाई , 2020	एम. प्रुस्ती
19.	कृषिरत महिलाओं के लिए वैश्विक संस्थान के रूप में भा.कृ.अ.प.-सीआईडब्ल्यूए को आगे बढ़ाने के लिए फ्रेमवर्क विकास हेतु विचारमंथन कार्यशाला	भा.कृ.अ.प.- सीआईडब्ल्यूए, भुवनेश्वर	31 जुलाई 2020	सभी वैज्ञानिक एवं तकनीकी स्टाफ
20.	'लिंग एवं वैश्विक महामारी – चुनौतियां एवं अवसर' विषय पर डिजिटल डिस्कोर्स श्रृंखला 2020	भा.कृ.अ.प.-अटारी, बंगलुरू	11 अगस्त 2020	लिपि दास, जे. चार्ल्स जीवा (संसाधन व्यक्तियों के रूप में)
21.	महिला एफपीओ : उद्यमशीलता, सशक्तिकरण तथा आत्मनिर्भरता के लिए एक नई प्रभावी युक्ति' पर राष्ट्रीय वेबिनार (ऑन लाइन)	गृह विज्ञान पर एआईसीआरपी, एमपीयूएटी, उदयपुर और भा.कृ.अ.प.- सीआईडब्ल्यूए, भुवनेश्वर	10 सितम्बर 2020	सभी वैज्ञानिक

AWARDS AND RECOGNITIONS

Tanuja, S

- Reviewer in Indian Journal of Fisheries, Fishery Technology and Waste and Biomass Valorization
- Best Oral Presentation Award for the paper "Improving household fish availability and income through homestead aquaculture" during International Web Conference on New Trends in Agriculture, Environmental and Biological Sciences (NTAEBSID) on 21-22nd June 2020
- Young Woman Fisheries Scientist Award by Agro Environmental Development Society in 2020

परस्कार एव सम्मान

तनुजा एस.

- इंडियन जर्नल ऑफ फिशरीज़, फिशरी टैक्नोलॉजी एंड वेस्ट एंड बायोमास वेलोराइजेशन में समीक्षक
- दिनांक 21-22 जून 2020 को कृषि, पर्यावरण एवं जीवन विज्ञान पर अंतरराष्ट्रीय वेब सम्मेलन (एनटीएईबीएसआईडी) के दौरान 'घर के आस-पास जलजंतुपालन के माध्यम से घरेलू मत्स्य उपलब्धता एवं आय में सुधार' विषय पर अनुसंधान पत्र के लिए सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुतीकरण पुरस्कार
- एग्रो एन्वायरमेंटल डेवलपमेंट सोसायटी द्वारा 2020 में युवा महिला मात्स्यिकी वैज्ञानिक पुरस्कार।

RESEARCH PUBLICATIONS

- Baishya, M., Sarkar, A. and Argade, S. 2020. Problems Concerning Women's Participation and Dropout from Self Help Groups in Koraput District of Odisha, India. Int.J.Curr.Microbiol. App.Sci, 9(6): 3180-3186.
- Jeeva, J. C., S. K. Srivastava, Anil Kumar, Sabita Mishra, A. K. Panda, Jyoti Nayak, S. Tanuja, Ankita Sahu, B. C. Behera, M. Prusty and Subrat Kr. Das. 2020. Doubling Farmers Income through Gender Specific Interventions. Int.J.Curr.Microbiol.App. Sci. 9(7): 1524-1533.
- Jeeva J. C., Gayatri, M. and Joshi, K. 2020. Gender Differences in Information Needs and Communication Behaviour among the Tribal Farm Families in Odisha, India. Journal of Global Communication. 13(1):1-9.

अनसधान प्रकाशन

- बैश्य एम., सरकार ए, और अर्गाडे एस. 2020. प्रॉब्लम्स कंसर्निंग वीमेंस पार्टिसिपेशन एंड ड्रॉपआउट फ्रॉम सैल्फ हेल्प ग्रुप्स इन कोरापुट डिस्ट्रिक्ट ऑफ ओडिशा, भारत। *इंट.जे. करंट. माइक्रोबायोल. ऐप.साइंस*, 9(6):31809(6):3186.
- जीवा,जे.सी., एस.के. श्रीवास्तव, अनिल कुमार, सबिता मिश्रा, ए.के. पाण्डा, ज्योति नायक, एस. तनुजा और अंकिता साहू, बी.सी. बेहरा, एम. प्रुस्ती और सुब्रत के. दास, 2020. डबलिंग फार्मर्स इनकम थ्रू जेंडर स्पेसेफिक इंटरवेंशंस, इंट-जे. करंट.माइक्रोबायल. ऐप.साइंस 9(7):1524-1533
- जीवा जे.सी., गायत्री एम. और जोशी के. 2020. जेंडर डिफरेंसिस इन इंफोर्मेशन नीड्स एंड कम्युनिकेशन बिहेवियर अमंग द ट्राइबल फार्म फेमिली इन ओडिशा, इंडिया. जर्नल ऑफ ग्लोबल कम्प्युनिकेशन. 13(1):1-9

Editors : Dr. J. Charles Jeeva
Dr. Ananta Sarkar
Dr. Tanuja, S.

Published by : Dr. S.K. Srivastava
Director
ICAR- Central Institute for Women in Agriculture
Bhubaneswar, Odisha- 751 003 (India)
Phone No.: (0674)-2387220, 2387940, 2387241
Fax No.: (0674) 2387242
E-mail: director.ciwa@icar.gov.in
Website: http://www.icar-ciwa.org.in

संपादक : डॉ. जे. चार्ल्स जीवा
डॉ. अनन्त सरकार
डॉ. तनुजा एस.

प्रकाशक : डॉ. एस. के. श्रीवास्तव
निदेशक
भा.कृ.अ.प.- केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान
भुवनेश्वर, ओडिशा - 751 003 (भारत)
दूरभाष सं. : (0674)-2387220, 2387940, 2387241
फैक्स.: (0674) 2387242
ई-मेल: director.ciwa@icar.gov.in
वेबसाइट : http://www.icar-ciwa.org.in